दैनिक
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर, बीकानेर, सवाई माधोपुर एवं अजमेर
बढ़ता राजस्थान
RNI NO.RAJHIN /2013/52026
Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 13 | अंक : 194 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : ₹ 2.00
टोंक। बुधवार 18 फरवरी 2026 । फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत्-2082
भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

भारत को दुनिया की टॉप-3 एआई सुपरपावर में से एक होना चाहिए

पीएम मोदी ने बताया 2047 का विजन

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित एआई-इंडिया इम्पैक्ट समिट में भारत के आईटी क्षेत्र में एआई की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई भारत के आईटी सेक्टर को नष्ट नहीं कर रहा है, बल्कि इसे पूरी तरह से बदल रहा है। एआई को एक एनेबलर के रूप में देखना चाहिए, जो नई पीढ़ी की आउटसोर्सिंग और डोमेन-स्पेसिफिक ऑटोमेशन के माध्यम से विकास को बढ़ावा देगा। न्यूज एजेंसी हह्व को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा, एआई-संचालित बदलावों के कारण भारत का आईटी सेक्टर 2030 तक 400 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह सेक्टर पहले से ही सेवाओं के निर्यात का मजबूत आधार रहा है। अब एआई के साथ यह उत्पादों, प्लेटफॉर्म्स और समाधानों के निर्माण में भी आगे जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को दुनिया की टॉप तीन एआई सुपरपावर में से एक होना चाहिए। सरकार ने इंडिया एआई मिशन के माध्यम से मजबूत घरेलू एआई इकोसिस्टम विकसित करने की व्यापक रणनीति अपनाई है। इस मिशन के तहत त्नक्क की संख्या लक्ष्य से अधिक हो चुकी है और अब और 20,000 त्नक्क जोड़े जा रहे हैं, जिससे कुल 38,000 से अधिक हो जाएंगे। उच्च-स्तरीय त्नक्क अब मात्र 65 रुपये प्रति घंटे की दर से उपलब्ध हैं, जो वैश्विक औसत से लगभग एक-तिहाई कम है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और सस्टेनेबल सिटीज में चार सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस व स्किलिंग के लिए पांच नेशनल सेंटर्स स्थापित किए गए हैं।

भारत के पास क्या है टारगेट-प्रधानमंत्री ने कहा कि अगला चरण एआई के डिजाइन, रिसर्च और डेवलपमेंट पर केंद्रित होगा, ताकि भारत की जरूरतों के तहत समाधान तैयार हो सकें। एआई से जुड़े निवेश 200 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना है। पीएम मोदी ने एआई में पूर्वाग्रह के मुद्दे पर भी गहन चिंता जताई और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लिंग, भाषा और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से जुड़े पूर्वाग्रहों को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। पश्चिमी संदर्भों में ये बायस स्पष्ट नजर न आएं, लेकिन भारत की भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता के कारण ये अलग-अलग तरीके से प्रकट हो सकते हैं। मुख्य रूप से अंग्रेजी या शहरी डेटा पर प्रशिक्षित एआई मॉडल ग्रामीण उपयोगकर्ताओं या क्षेत्रीय भाषाओं के बोलने वालों के लिए प्रभावी नहीं हो पाते।

मोदी बोले- भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलिकॉप्टर बनाएगा, फ्रांस स्पेशल पार्टनर मैक्रों बोले- दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के सीईओ भारतीय

पीएम मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा। मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है। 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच संबंध स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप लेवल के थे।

सुप्रीम कोर्ट बोला-नेताओं को भाषण से पहले विचार सुधारने की जरूरत

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान नेताओं और उच्च संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारियों को देश में भाईचारा बढ़ाने और संविधान के मूल्यों के हिसाब से व्यवहार करने और बोलने की नसीहत दी। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा- नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाना होगा। नफरत भरे भाषणों को रोकने के लिए पहले सोच को सुधारने की आवश्यकता है। क्योंकि भाषण से पहले विचार आते हैं। सीजेआई ने कहा- सभी राजनीतिक दलों से हमारी अपील है कि आप संवैधानिक नैतिकता, मूल्यों, आपसी सम्मान और आत्मसम्मान के सिद्धांतों का पालन कीजिए। ये ठीक है कि आप वैचारिक सिद्धांतों के आधार पर चुनाव लड़ते हैं, लेकिन एकदूसरे का सम्मान करना भी जरूरी है। आप लोगों से इस तरह के व्यवहार की अपेक्षा नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट नौ लोगों की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के हालिया भाषणों और भाजपा असम की तरफ से पोस्ट किए गए एक वीडियो के मद्देनजर दायर की गई थी। वीडियो में एक खास समुदाय को टारगेट करने का आरोप लगा था।

शिवराज सिंह ने राहुल को बताया पार्ट टाइम पॉलिटिशियन

फुल टाइम ड्रामेबाज कहकर पूछे चार सवाल; 'भारत विस्तार' को बताया किसानों के लिए नई क्रांति

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए उन्हें पार्ट टाइम पॉलिटिशियन और फुल टाइम ड्रामेबाज बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का काम झूठ बोलना और भ्रम फैलाना है, उन्हें ट्रेड, ट्रेडिशन और टेक्नोलॉजी की समझ नहीं है।

शिवराज सिंह चौहान यह बयान जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में 'भारत विस्तार' के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान दे रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद में ऐसा विपक्ष पहले कभी नहीं देखा गया, जो लोकतंत्र की मर्यादा तोड़कर केवल झूठ बोले। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार गलत जानकारी फैलाने का काम कर रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी से सवाल किया कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार लागत पर 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी तय करने का फैसला उनकी सरकार ने क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि उस समय यूपीए सरकार ने संसद में कहा था कि ऐसा करना संभव नहीं है, जबकि यह काम केवल नरेंद्र मोदी सरकार ने किया।

36 रुपए किलो चीनी आयात, 12 रुपए किलो पर निर्यात पर पूछा सवाल

उन्होंने कहा कि जब यूपीए सरकार के दौरान मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब रिकॉर्ड चीनी उत्पादन हुआ, लेकिन बफर स्टॉक नहीं बनाया गया।

आरोप लगाया कि उस समय 36 रुपए किलो चीनी आयात की गई और साढ़े 12 रुपए किलो के भाव पर निर्यात की गई, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। इसी तरह 2009-10 में आटे और अनाज के निर्यात पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब देश में महंगाई थी, तब अनाज विदेश क्यों भेजा गया।

अनाज सड़ने और गरीबों तक न पहुंचने का मुद्दा

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय गोदामों में अनाज सड़ता रहा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी गरीबों को अनाज देने के निर्देश दिए थे, लेकिन सरकार ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बाद में मोदी सरकार ने गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया।

व्यापार समझौतों पर दी सफाई

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेरिका और अन्य देशों के साथ हुए समझौते पूरी तरह भारत और किसानों के हित में हैं। गेहूं, चावल और मक्का जैसे भरपूर अनाज के आयात की अनुमति नहीं दी गई है। सेब आयात पर राहुल गांधी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही करीब 5 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करता है। अब अगर तुर्की की जगह अमेरिका से आयात होता है, तो इसमें कोई नुकसान नहीं है। न्यूनतम आयात मूल्य और शुल्क तय हैं।

जयपुर की प्रशंसा और किसानों पर जोर

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जयपुर शौर्य, साहस, संस्कृति और कला का संगम है। भारत विस्तार जैसी किसान हितैषी तकनीक की शुरुआत जयपुर से होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि किसानों को आगे बढ़ाने के लिए खेतों और गांवों तक पहुंचना होगा।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्डकप से बाहर, जिम्बाब्वे सुपर-8 में

जिम्बाब्वे-आयरलैंड मैच बारिश से रद्द

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग राउंड से ही बाहर हो गई है। मंगलवार को जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसी के साथ जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंच गई है।

एक दिन पहले कंगारू श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से हार गए थे। उन्हें 13 फरवरी को जिम्बाब्वे ने 23 रन से हराया था। अब ऑस्ट्रेलिया को 20 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसे जीतकर भी मिचेल मार्श की टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकेगी।

ऑस्ट्रेलियन टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार ग्रुप स्टेज से बाहर हुई है। इससे पहले 2009 में टीम रिकी पोंटिंग की कप्तानी में लीग राउंड से बाहर हो गई थी।

गौहत्या पर विधानसभा में हंगामा, 7 बार कार्यवाही स्थगित

विधायक गोपाल शर्मा ने माफी मांगी; जूली बोले- कर्जा लेने में पांच साल का काम दो में किया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। विधानसभा में मंगलवार को जयपुर में गौहत्या और गाय को राज्यमाता का दर्जा देने से जुड़े सवाल के जवाब को लेकर 6 घंटे तक हंगामा हुआ। 7 बार सदन की कार्यवाही स्थगित हुई।

शाम 5.15 बजे जब कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि आज प्रश्नकाल के दौरान गाय को राज्य माता से जुड़े सवाल पर जवाब के दौरान सदन में माहौल गरमाया। जयपुर में गौहत्या के मामले की जांच होनी चाहिए। प्रश्नकाल में जब यह मामला उठा उस वक्त भाजपा विधायक गोपाल शर्मा आवेश में आकर गुस्से में विपक्ष की तरफ आ गए थे। हम गोपाल शर्मा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देंगे।

सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इशारा करके गोपाल शर्मा को गोहत्यारा कहा था, तब माहौल गरमाया था। गोपाल शर्मा पर विशेषाधिकार आएगा तो राजाखेड़ा विधाायक के खिलाफ भी आना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी इसी बात को आगे बढ़ाया। हालांकि गोपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर माफी मांग ली थी।

स्पीकर ने कहा- रिकॉर्डिंग और कागज देखकर करेंगे फैसला

इस पूरे मामले में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने आगे रिकॉर्डिंग और दस्तावेज देखकर फैसला करने का आश्वासन दिया। इसके बाद विधानसभा में गतिरोध खत्म हो गया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का भाषण शुरू हुआ। इसके बाद दिनभर चला गतिरोध शाम 5.15 बजे टूटा।

जूली बोले- आज तक ऐसा नीरस बजट कभी नहीं देखा

बजट बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- आज तक ऐसा नीरस बजट कभी नहीं देखा। बजट पेश करते वक्त कई मंत्री तो सदन में नींद

निकाल रहे थे। बजट फ्रेंच भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है चमड़े का थैला, लेकिन आपने तो थैले का रंग भगवा कर दिया।

जूली ने शायराना अंदाज में कहा- तुम सिफारिश से जहां पहुंचे हो, वहां हम चलकर आए हैं । वित्त मंत्री को बजट का थैला तो सुबह 9:30 बजे मिला था, ताकि अध्ययन नहीं कर सके। जूली ने बीजेपी विधायक बहादुर सिंह कोली की लिंगभेदी टिप्पणियों पर तंज कसते हुए कहा कि 16 फरवरी को आपके विधायक बजट पर बोलते हुए बेटा-बेटी में भेदभाव वाली बातें कर रहे थे। आपके विधायक हंस रहे थे। मुझे शर्म आती है, आज भी इस तरह की सोच रखते हैं। मेरे भी दो बेटियां हैं, एक बेटी को विदा करके आया हूं। बेटियों के लिए भाजपा के विधायक इस जमाने में इस तरह की सोच रखते हैं।

जयपुर में गोहत्या पर जोरदार हंगामा

इससे पहले राजस्थान में गाय को राज्यमाता जयपुर में गोहत्या और गाय को राज्यमाता का दर्जा देने से जुड़े सवाल के जवाब को लेकर विधानसभा में हंगामा हुआ। इस कारण विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल के बाद से 7 बार स्थगित हुई। दरअसल, बीजेपी विधायक बालमुकुंदाचार्य ने गाय को राज्यमाता का दर्जा देने और गोवंश तस्करी से जुड़ा सवाल पूछा था। जवाब में गोपालन मंत्री ने कहा कि गोहत्या रोकने कानून बना हुआ है। जूली ने कहा- राज्यमाता के दर्जे पर भी साफ जवाब नहीं दिया। इस बीच कांग्रेस सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

दीया कुमारी ने राज्य कर्मचारियों को लेकर की बड़ी घोषणा...

अब वेतन-भत्तों की वसूली नहीं होगी; रिटायरमेंट तक इंश्योरेंस कवर मिलेगा

विधानसभा में बजट बहस का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कई घोषणाएं कीं। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को ट्रेनिंग के दो साल की अवधि में केंद्र या राज्य की दूसरी नौकरी में चयन पर मौजूदा पद छोड़ने पर राहत देने की घोषणा की है। अब दो साल की ट्रेनिंग अवधि में पद छोड़ने पर वेतन भत्तों की वसूली नहीं होगी। साथ ही अब कर्मचारियों को रिटायरमेंट तक इंश्योरेंस कवर मिलेगा। डिप्टी सीएम ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा- खजाना खाली कर गए और सीख हमें देते हैं ,घाटे के बीज बोकर हिसाब हमसे लेते हैं। हमारी सरकार राजस्व आय में वृद्धि करने के लिए प्रयासरत है। कांग्रेस सरकार के वक्त राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का के 4 .4% था, जबकि हमारी सरकार की ओर से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 2025-26 में 3 .87% अनुमानित किया। साल 2026-27 में कम करके 3 .6 9% अनुमानित है।

हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली

विधानसभा में बजट बहस का जवाब देते हुए दीया कुमारी ने कहा- हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार है। विपक्ष की तथ्यात्मक आलोचना का हम स्वागत करते हैं। कुछ ने अनावश्यक अर्नगल आलोचना की, मैं आभारी हूं कि उन्होंने कम से कम बजट तो पढ़ा। यह तो इनकी परंपरा रही है। बजट समझा भले न हो, लेकिन पढ़ तो लिया। नेता प्रतिपक्ष ने आज अनजाने ही सही हमारे पिछली बजट की तारीफ कर दी। आज उन्होंने कविताओं के अलावा ज्यादा कुछ आलोचना करने को मिला नहीं।

दीया कुमारी ने कहा- राजस्थान को पीछे किसने छोड़ा था, यह इतिहास जानता है। शिक्षा, कृषि पर नेता प्रतिपक्ष ने बजट कम करने की बात उठाई। हमारा कृषि बजट कांग्रेस सरकार से 34 प्रतिशत ज्यादा है।

सम्पादकीय

नफरती भाषण पर सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, सुनवाई से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने नेता एवं वकील कपिल सिब्बल की उस याचिका को सुनने से मना कर सही किया, जिसमें असम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के बयानों को आधार बनाकर हेट स्पीच यानी नफरती भाषण के खिलाफ कठोर दिशानिर्देश बनाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया कि इस याचिका में भाजपा के मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाकर यह सिद्ध करने की चेष्टा की गई थी कि केवल वही नफरती भाषण देने के आरोपित हैं। साफ है कि इस याचिका में बड़ी चतुराई से अन्य दलों के नेताओं के विषाक्त माने जाने वाले भाषणों का जानबूझकर उल्लेख नहीं किया गया। नफरती भाषण के खिलाफ दल विशेष के नेताओं को निशाना बनाने वाली इस याचिका ने यही बताया कि याचिकाकर्ता स्वयं दुराग्रह से ग्रस्त हैं। देखना है कि वे संशोधित याचिका दायर करते हैं या नहीं और उस पर सुप्रीम कोर्ट कोई दिशानिर्देश बनाता है या नहीं? वैसे यह आसान काम नहीं, क्योंकि नफरती भाषणों के खिलाफ प्रभावी गाइडलाइंस तभी बन सकती है, जब इसे परिभाषित किया जाए कि क्या नफरती है और क्या नहीं? इस संदर्भ में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई बार किसी की ओर से कटु सत्य के उल्लेख को द्वेष फैलाने वाला करार दिया जाता है तो कई बार नफरती भाषण को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आवरण पहनाने की कोशिश की जाती है। इस सबके बीच नेताओं की ओर से नफरती या फिर विभाजनकारी अथवा भड़काऊ भाषण दिए जाने का सिलसिला कायम है। नफरती भाषण देने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के मामले दुर्लभ ही हैं। इसका कारण यह है कि जब कोई नेता ऐसे भाषण देता है तो उसके दल के लोग उसका बचाव करने के लिए आगे आ जाते हैं। यह भी देखा गया है कि राज्य सरकारें नफरती भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में प्राय: पक्षपात करती हैं। कभी वे किसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती हैं तो कभी किसी के घोर आपत्तिजनक बयान की भी अनदेखी कर देती हैं। इस तरह का सबसे चकित करने वाला मामला तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि का है, जिन्होंने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया जैसा बताते हुए उसके खात्मे की बात की थी, पर राज्य सरकार ने उनके खिलाफ कुछ नहीं किया, क्योंकि वे मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की भी अनदेखी की गई। अंतत: न्यायपालिका के दखल के बाद ही उनके खिलाफ मामला दर्ज हो सका। समस्या केवल यही नहीं कि संवैधानिक मूल्यों और शिष्टाचार की अनदेखी के चलते राजनीतिक विमर्श विषाक्त होता जा रहा है और यही माहौल नफरती भाषणों का जरिया बन रहा है। समस्या यह भी है कि नियमन के अभाव में डिजिटल मीडिया में भी नफरती टिप्पणियां बेलगाम हैं। इससे भी सार्वजनिक विमर्श विषाक्त हो रहा है।

स्वयं सहायता समूह से सशक्तिकरण तक: बड़वा की जूती की गूँज देशभर में

डॉ. प्रियंका सौरभ

खंड कार्यक्रम प्रबंधक, सिवानी, जगबीर सिंह वर्मा ने बताया कि भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं, को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। सिवानी खंड में 402 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है, जिनसे लगभग 4000 महिलाएँ जुड़ी हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता तथा सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

हरियाणा की धरती परंपरा, परिश्रम और हुनर की अनमोल विरासत से समृद्ध रही है। यहाँ के गाँव केवल कृषि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हस्तकला और पारंपरिक कौशल की जीवंत पहचान भी हैं। भिवानी जिले के सिवानी क्षेत्र के बड़वा गाँव की कारीगर कांता देवी ने इसी परंपरा को अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। आज उनकी बनाई हुई जूतियाँ गुरुग्राम में आयोजित सरस आजीविका मेले में ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। यह सफलता केवल एक महिला की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक कला के पुनर्जागरण की प्रेरक कहानी है।

कांता देवी का जीवन संघर्ष, समर्पण और संकल्प का उदाहरण है। उनका विवाह ऐसे परिवार में हुआ, जहाँ जूती निर्माण की कला पीढ़ियों से चली आ रही थी। उनके ससुर भाना राम इस पारंपरिक कार्य से जुड़े हुए थे और उनके पति भी इस काम में सक्रिय भूमिका निभाते थे। विवाह के बाद कांता देवी ने इस कला को केवल परंपरा के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपनी पहचान और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाया। उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाने का निश्चय किया और पूरी लगन से इसमें जुट गईं। शुरुआत में कांता देवी गाँव में ही जूतियाँ बनाकर बेचती थीं। सीमित संसाधन, छोटा बाजार और कम आय जैसी कई चुनौतियाँ उनके सामने थीं। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके पति ने उनका पूरा सहयोग किया और गाँव में दुकान संभालकर इस व्यवसाय को मजबूत आधार दिया। यह पारिवारिक सहयोग उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बना। धीरे-धीरे उन्होंने अपने कौशल को निखारा और पारंपरिक डिजाइनों के साथ आधुनिक डिजाइनों को भी शामिल करना शुरू किया। लगभग दस वर्ष पहले कांता

देवी ने लक्ष्मीबाई महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इस समूह के माध्यम से उन्होंने गाँव की अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़ा। यह पहल केवल रोजगार का माध्यम नहीं बनी, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक मजबूत उदाहरण भी बनी। इस समूह से जुड़कर महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता मिली और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया। आज यह समूह कई महिलाओं के लिए स्थायी आय का स्रोत बन चुका है।

समय के साथ कांता देवी ने अपने उत्पादों को एक नई पहचान देने के लिए 'अभिनिक इंडिया' नाम से अपना ब्रांड स्थापित किया। यह कदम उनके व्यवसाय के विस्तार में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस ब्रांड के माध्यम से उनकी जूतियाँ स्थानीय बाजार से निकलकर बड़े शहरों और राष्ट्रीय स्तर के मेलों तक पहुँचने लगीं। उनके बेटे ने ऑनलाइन बिक्री की जिम्मेदारी संभाली, जिससे उनके उत्पाद डिजिटल प्लेटफॉर्म तक भी पहुँच गए। आज उनके पास 100 से अधिक डिजाइनों का संग्रह है, जो पारंपरिक कला और आधुनिक फैशन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। उनकी जूतियों की कीमत 350 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक है और उनका मासिक कारोबार लगभग तीन लाख रुपये तक पहुँच चुका है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि ग्रामीण उत्पादों को सही मंच और अवसर मिले, तो वे आर्थिक रूप से अत्यंत सफल हो सकते हैं। यह सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की भी कहानी है।

इस उपलब्धि में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और बाजार उपलब्ध कराया जाता है। इसी मंच के माध्यम से कांता देवी को सरस मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिला। सरस मेला ग्रामीण कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहाँ उन्हें अपने हुनर को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

भिवानी जिले के एक छोटे से गाँव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचना आसान नहीं था। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार का सहयोग और आत्मविश्वास की शक्ति थी। उनके ससुर भाना राम द्वारा शुरू की गई इस पारंपरिक कला को कांता देवी और उनके पति ने मिलकर आगे बढ़ाया और इसे आधुनिक पहचान दिलाई। यह परंपरा और नवाचार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस सफलता का सामाजिक प्रभाव भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में उनका सम्मान भी बढ़ता है। वे परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाने लगती हैं और अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में योगदान देती हैं। कांता देवी की सफलता ने गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है कि वे अपने कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। यह सफलता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब गाँव में ही रोजगार उपलब्ध होता है, तो लोगों को शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता कम हो जाती है। इससे ग्रामीण समाज में स्थिरता और समृद्धि आती है। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हरियाणा जैसे राज्यों में पारंपरिक हस्तकला की अपार संभावनाएँ हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि इन कारीगरों को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जाए। यदि सरकार और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य करें, तो ग्रामीण हस्तकला न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती है।

कांता देवी की यात्रा हमें यह सिखाती है कि सफलता के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि मजबूत संकल्प और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि व्यक्ति अपने कौशल पर विश्वास रखे और मेहनत करे, तो वह किसी भी बाधा को पार कर सकता है। आज कांता देवी केवल एक कारीगर नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने यह दिखाया है कि पारंपरिक कला केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का आधार भी है। उनके पति और ससुर के सहयोग से शुरू हुई यह यात्रा आज राष्ट्रीय पहचान बन चुकी है। अंतत:, बड़वा गाँव की जूतियों की यह सफलता केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की उपलब्धि है। यह कहानी हमें यह विश्वास दिलाती है कि यदि ग्रामीण हुनर को सही मंच और सम्मान मिले, तो वह न केवल आर्थिक समृद्धि ला सकता है, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत कर सकता है। कांता देवी की यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने हुनर पर गर्व करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

पारदर्शिता की पहल, पर एकरूपता के अभाव में अदालतों तक पहुंचते कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

(सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि कार्यस्थल वरिष्ठता निष्पक्ष रूप से निर्धारित हो और भविष्य में किसी प्रकार की असमानता या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सभी विभागों में समान कार्यकाल व्यवस्था लागू हो, जिससे कर्मचारियों को समान अवसर मिल सकें। नई नियुक्तियों को समयबद्ध रूप से ऑनलाइन प्रणाली में शामिल किया जाए, ताकि वरिष्ठता प्रभावित न हो। स्थानांतरण प्रक्रिया का निश्चित वार्षिक कार्यक्रम हो, जिससे पारदर्शिता बढ़े और कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त हो।)

हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। लंबे समय से सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर मनमानी, सिफारिश, पक्षपात और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को समाप्त करने और प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा योग्यता आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, सेवा अवधि और विशेष परिस्थितियों के आधार पर न्यायपूर्ण तरीके से कार्यस्थल आवंटित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो।

यह नीति आधुनिक प्रशासनिक सोच और तकनीकी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है। 50 या उससे अधिक पदों वाले संवर्गों पर लागू इस व्यवस्था में 80 अंकों का योग्यता आधारित मूल्यांकन तंत्र निर्धारित किया गया है। इसमें आयु और कुल सेवा अवधि को प्रमुख आधार बनाया गया है, जिससे वरिष्ठता को उचित महत्व मिल सके। सेवा अवधि को 365 दिनों से विभाजित कर अंक निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनती है। महिला कर्मचारियों को 10 अंक, पति-पत्नी मामलों में 5 अंक तथा गंभीर बीमारी या दिव्यांगता के मामलों में 10 से 20 अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं।

पूरी प्रक्रिया मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से जुड़े ऑनलाइन मंच के माध्यम से संचालित होती है। अधिसूचना जारी होने के बाद संवर्ग सूची सार्वजनिक की जाती है और कर्मचारी एकमुश्त पासवर्ड के माध्यम से सत्यापन कर अपने पसंदीदा कार्यस्थलों का चयन करते हैं। निर्धारित समय में विकल्प प्रस्तुत न करने की स्थिति में कर्मचारी को किसी भी स्थान पर नियुक्त किया जा सकता है। अतिरिक्त पदों पर कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाता है तथा आदेश जारी होने के निर्धारित समय के भीतर कार्यभार ग्रहण करना आवश्यक होता है।

नीति लागू होने के बाद कई विभागों में पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायतों में कमी भी आई है। ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र ने कर्मचारियों को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इससे यह विश्वास मजबूत

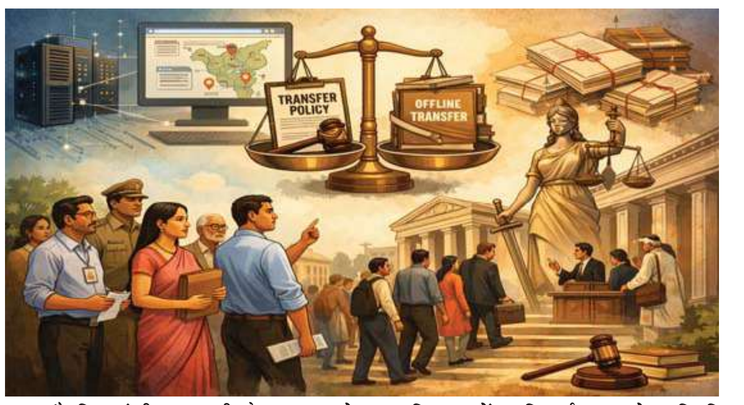

हुआ है कि अंकीय प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक सुधार प्रभावी रूप से लागू किए जा सकते हैं। फिर भी, नीति के क्रियान्वयन में एकरूपता का अभाव इसकी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान समय-सारिणी और समान नियम लागू नहीं हैं। कहीं न्यूनतम कार्यकाल अलग है, कहीं अधिकतम कार्यकाल की सीमा भिन्न है, तो कहीं विशेष परिस्थितियों की परिभाषा बदल जाती है। इससे समान संवर्ग के कर्मचारियों के बीच असमानता उत्पन्न होती है और नीति की मूल भावना प्रभावित होती है।

ऑनलाइन स्थानांतरण अभियान की पहली ही प्रक्रिया में सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रारंभिक चरण में कुछ कर्मचारी किसी कारणवश बाहर रह जाते हैं, तो उनकी कार्यस्थल वरिष्ठता प्रभावित होती है और भविष्य में विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए 'एक बार की अनिवार्य सहभागिता' के माध्यम से सभी कर्मचारियों को समान आधार पर लाना चाहिए। सभी विभागों में निर्धारित कार्यकाल समान होना चाहिए। उदाहरण के लिए न्यूनतम कार्यकाल एक वर्ष या एक स्थानांतरण अभियान से अगले अभियान तक तथा अधिकतम कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया जा सकता है। इससे कोई भी कर्मचारी अत्यधिक लंबे समय तक एक ही स्थान पर नहीं रहेगा और न ही किसी को अल्प अवधि में बार-बार स्थानांतरण झेलना पड़ेगा। जब भी नई नियुक्ति हो, उसे अनिवार्य रूप से अगले स्थानांतरण अभियान में शामिल किया जाना चाहिए। यदि ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद अब तक कोई कर्मचारी इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे वर्तमान अभियान में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे सभी कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता के आधार पर कार्यस्थल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और मनमानी या रिश्वतखोरी के माध्यम से पारंपरिक आदेशों द्वारा कार्यस्थल प्राप्त करने की प्रवृत्ति समाप्त होगी। सभी विभागों में स्थानांतरण अभियान एक ही समय पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पति-पत्नी प्रकरणों में निर्णय लेने में सुविधा होगी और परिवारों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि विभिन्न विभाग अलग-अलग समय पर स्थानांतरण करेंगे, तो पारिवारिक समन्वय कठिन हो जाता है।

कार्यकाल की गणना करते समय वित्तीय वर्ष को एक वर्ष माना जाना चाहिए, न कि दिनों की गणना के आधार पर। कई बार स्थानांतरण अभियान वित्तीय वर्ष के मध्य में पूरा होता है और कार्यभार ग्रहण वर्ष के अंतिम चरण में होता है, जिससे कार्यकाल की गणना में एक वर्ष का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यदि वित्तीय वर्ष को पूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया जाए, तो कट-ऑफ तिथि से संबंधित विवाद समाप्त हो सकते हैं। हर वर्ष एक निश्चित और पूर्व घोषित समय-सारिणी के अनुसार स्थानांतरण अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि यह प्रक्रिया नियमित और वार्षिक हो, तो कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त होगी और प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा। अनियमित या विलंबित अभियान से भ्रम और असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है। पद पुनर्संरचना या युक्तिकरण की प्रक्रिया के दौरान, यदि अगली भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी हो, तो न्यूनतम पदों को अवरुद्ध किया जाना चाहिए ताकि कर्मचारियों को अपने निवास स्थान के निकट कार्यस्थल मिलने की अधिक संभावना रहे।

समृद्ध मध्य प्रदेश 2047: विकसित राज्य की अमृत काल उड़ान

मध्य प्रदेश को हम यदि पीछे मुड़कर देखें, तो 23 साल पहले (2003) तक देश का हृदय प्रदेश अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता एक 'बीमारू' की श्रेणी में खड़ा था। वह एक ऐसा दौर था जब प्रदेश में सड़के उखड़ी पड़ी थी। पर्याप्त बिजली नहीं होने के कारण लोग रात-रात भर अंधेरे में गुजारने को मजबूर थे। पानी की कोई ठोस व्यवस्था सुनिश्चित नहीं थी। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों के वेतन के भुगतान के लिए भी खजाने में जद्दोजहद करनी पड़ती थी। प्रशासनिक तंत्र में निराशा थी और जनमानस में अपनी नियति को लेकर संशय। तब प्रदेश के हर नागरिक के मन में एक सवाल उठता रहा होगा कि क्या मध्य प्रदेश इस दशा से कभी उभर भी पाएगा, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति बदली और आज वही मध्य प्रदेश निराशा के उस दौर को पूरी तरह पीछे छोड़ 'समृद्ध मध्य प्रदेश 2047' के विजन के साथ एक ऊँची और महत्वाकांक्षी उड़ान भरने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार पिछले दो वर्षों से एक सुस्पष्ट कार्ययोजना और दूरदृष्टि के साथ इसी लक्ष्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है। इस विकास यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि डॉ. यादव को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का जो सहयोग और मिल रहा है, वह विकास यात्रा की रफ्तार को नई ऊर्जा दे रहा है। प्रदेश के लिए यह वास्तव में वह 'अमृत काल' है, जहाँ हर नीति, हर योजना और हर सरकारी निर्णय का अंतिम ध्येय वर्ष 2047 तक राज्य को न केवल आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि उसे देश के अग्रणी विकसित राज्यों की पंक्ति में प्रथम स्थान पर खड़ा करना है।

आर्थिक महाशक्ति और 2 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य

डॉ. मोहन यादव सरकार का सबसे प्रमुख संकल्प मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 ट्रिलियन डॉलर के विराट लक्ष्य तक पहुँचाना है। यह प्रदेश के हर नागरिक की क्रय शक्ति और जीवन स्तर को वैश्विक मानकों तक ले जाने का रोडमैप है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाकर औद्योगिक निवेश के लिए द्वार पूरी तरह खोल दिए गए हैं। हालिया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 और प्रदेश के विभिन्न अंचलों में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से 11.09 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक निवेश प्रस्तावों का आना इस बात का साक्ष्य है कि मध्य प्रदेश अब वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है।

पवन वर्मा-विनायक

आज प्रदेश में 23 लाख से अधिक लघु उद्योगों की इकाइयाँ सवा करोड़ लोगों को रोजगार दे रही हैं। जिस प्रदेश में कभी उद्योगों के लिए बिजली का संकट था, आज वहां औद्योगिक अधोसंरचना इतनी सुदृढ़ है कि विश्वस्तरीय कंपनियाँ यहाँ अपने प्लांट स्थापित कर रही हैं। सबसे सुखद पहलू यह है कि नए स्टार्टअप्स में 47 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है, जो एक आधुनिक और प्रगतिशील आर्थिक युग के सूत्रपात का उद्घोष है। सरकार की 'निर्यात संवर्धन नीति 2025' और 'लॉजिस्टिक नीति' ने प्रदेश के उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के रास्ते खोल दिए हैं।

अन्नदाता की खुशहाली:कृषि से सहकारिता का नया युग

कृषि उत्पादन में देश का सिरमौर बना मध्य प्रदेश अब डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में खेती को एक लाभप्रद व्यवसाय बनाने की दिशा में नए प्रयोग कर रहा है। कभी 'पानी की कमी' के लिए पहचाने जाने वाला यह राज्य आज सिंचाई के रकबे में देश के अग्रणी राज्यों में है। भावांतर भुगतान और मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना के माध्यम से सोयाबीन, धान और मूँग उत्पादकों के खातों में हजारों करोड़ रुपये का सीधा हस्तांतरण किया जा रहा है। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के जरिए कोदो-कुटकी जैसे पारंपरिक अनाजों को वैश्विक पहचान दिलाकर सरकार ने न केवल पोषण की दिशा में काम किया है, बल्कि जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी है। सहकारिता के क्षेत्र में सरकार का विजन बहुत स्पष्ट है, पैक्स और डेयरी समितियों की संख्या को दोगुना करना। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को वह मजबूती प्रदान करेगा, जो आने वाले दशकों में प्रदेश की आय का मुख्य आधार बनेगी। 500 मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता वाली प्रत्येक प्राथमिक सहकारी समिति किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक

सुनील कुमार महला

आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं। यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथ-साथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नई-नई तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं। विशेष रूप से एआई ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराई से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम् माना जा रहा है। इसी संदर्भ में, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन(इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज एआई का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक फैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिंताएँ भी इसके कारण सामने आई हैं। विशेष रूप से डेटा केंद्रों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआई आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यक्रम ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआई शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआई नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रही है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी कंपनियों जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता, नीति-निर्माता और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं। 16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआई शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ एआई के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है। इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है। सम्मेलन में 13 देशों के लगभग 300 पवेलियन वाले एक्सपो का आयोजन भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को भी प्रदर्शित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के माध्यम से आम लोगों तक तकनीक के लाभ पहुँचाने, सस्ती तकनीक उपलब्ध कराने और वैश्विक असमानताओं को कम करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशर्ते देश निवेश बढ़ाए, प्रतिभाओं को बनाए रखे और अनुकूल तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करे। वास्तव में, यह समागम विश्व के सबसे बड़े एआई आयोजनों में से एक माना जा रहा है और ग्लोबल साउथ में आयोजित पहली बड़ी एआई शिखर बैठक के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की भूमिका मजबूत होगी। सम्मेलन में एआई आधारित नवाचार, प्रतियोगिताएँ, हैकाथॉन तथा करोड़ों रुपये के पुरस्कार वाले कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वच्छ भारत का सपना कागज़ों तक सीमित, टोरडी सागर आज भी बदबू भरी ज़िंदगी जीने को मजबूर

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (टोंक) (का.स) । देश में स्वच्छ भारत अभियान की गूंज भले ही हर मंच पर सुनाई देती हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत टोरडी सागर में हालात इतने बदतर हैं कि यहां के रहवासी पिछले लगभग 40 वर्षों से बदबू भरी हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। शिकायतें की गईं, आवेदन दिए गए, टोल फ्री हेल्पलाइन से लेकर मेंबर, उपखंड कार्यालय, जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार सिर्फ एक ही जवाब मिला – 'काम हो गया', जबकि हकीकत में ज़मीन पर कुछ भी नहीं बदला। वार्ड 5 और 6 के बीच बदहाली का केंद्र टोरडी सागर के वार्ड संख्या 5 और 6 के बीच स्थित करीब 1 बीघा खाली भूखंड आज पूरे गांव के लिए नासूर बन चुका है। इस जगह में बरसात के मौसम में पहाड़ों का सीधा पानी इस भूखंड के तालाब के रूप में भरने की वजह से मोहल्ले में हर वर्ष लाखों का नुकसान हो रहा व पानी सूखने के बाद चारों ओर बबूल, झाड़ियाँ, गंदगी के ढेर और मरे हुए जानवर पड़े रहते हैं, जिससे हर समय भयानक बदबू फैलती रहती है।

यही नहीं, इसी क्षेत्र में दो प्रमुख धार्मिक स्थल : कल्याण दास बाबा बगीची, शनि देव मंदिर,और ग्राम पंचायत द्वारा बनाया गया राम जानकी गार्डन भी स्थित है। इसके बावजूद यहां खुले में शौच की मजबूरी ने हालात को और शर्मनाक बना दिया है। महिलाएं शर्मिंदा, बच्चे बीमार घनी आबादी वाले इस इलाके में महिलाएं खुले में शौच को मजबूर हैं। राह चलते लोग नजरें झुका लेते हैं, घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। बच्चों में बीमारियां बढ़ रही हैं, बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत होती है, लेकिन सिस्टम बेपरवाह बना हुआ है। बीजेपी का गढ़, फिर भी बदहाली टोरडी सागर को क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माना जाता है। कई नेता आए, भाषण दिए, आश्वासन दिए और चले गए, लेकिन गांव की हालत जस की तस बनी हुई है। अब सवाल यह उठता है कि क्या राजस्थान की मौजूदा सरकार, यानी भजन सरकार, इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेगी?

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि: इस जगह की तत्काल प्रशासनिक जांच करवाई जाए। गंदगी हटाकर इस जगह पर सार्वजनिक गार्डन, स्कूल या सामुदायिक भवन के रूप में विकसित किया जाए। खुले में शौच पर पूरी तरह रोक लगाकर स्थाई समाधान किया जाए ।ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ टोरडी सागर की नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान की छवि का सवाल है। अगर यही हालात रहे, तो 'स्वच्छ भारत' सिर्फ पोस्टर और भाषणों तक ही सिमट कर रह जाएगा।

एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन आज

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स) । जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय टोंक द्वारा बुधवार को एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय परिसर सुभाष बाज़ार टोंक में किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी राजकुमार मीना ने बताया कि रोजगार सहायता शिविर में निजी क्षेत्र की कम्पनी द्वारा मौके पर ही बेरोजगार युवको को रोजगार उपलब्ध करवाया जायेगा एवं विभिन्न राजकीय विभागों में संचालित रोजगार/स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन पत्र भी कार्यक्रम स्थल पर ही तैयार किये जायेंगे। साथ ही राजस्थान कौशल विकास निगम एवं बडौदा स्वरोजगार विकास निगम द्वारा बेरोजगार युवाओं का प्रशिक्षण के लिए आवेदन पत्र भी तैयार किये जायेंगे। बेरोजगार आशार्थी अपने 2 फोटो, समस्त मूल शैक्षिक/प्रशैक्षिक दस्तावेज एवं अपना रिज्युम भी साथ लाने की सुनिश्चितता करें, जिससे चयन में सुगमता हो सके।

जिला स्तरीय जन सुनवाई स्थगित

बढ़ता राजस्थान

टोंक(का.स) । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम 14 फरवरी के स्थान पर 21 फरवरी तक होगा। राज्य सरकार के जन अभियोग निराकरण विभाग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यवस्तता को दृष्टिगत रखते हुए 19 फरवरी को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जन सुनवाई को स्थगित किया है।

श्री शांतिनाथ मंडल विधान का हुआ आयोजन,132 श्रीफल अर्घ्य चढाकर की पूजा-अर्चना

बढ़ता राजस्थान

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में पंडित सुरेश के शास्त्री के निर्देशन में श्री शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं भगवान शांतिनाथ के भक्तिभाव से श्रीफल चढाकर पूजा-अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम की शुभारंभ प्रातः काल भगवान शांतिनाथ के अभिषेक, पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा के साथ हुआ। उसके पश्चात सौधर्म इन्द्र ओमप्रकाश, सतीशचन्द, महेन्द्रकुमार, चेतन कुमार, खेमचन्द, जितेन्द्रकुमार व चन्द्रप्रकाश चंवरिया ने श्री शांतिनाथ मंडल विधान में मंडप पर 132 श्रीफल अर्घ्य चढाए। मंडल विधान के दौरान सभी श्रद्धलुओं ने पूजा-अर्चना करके भक्तिनृत्य किया। इसी प्रकार जैन नसियां मंदिर में श्रद्धालुओं ने 41 फुट ऊंचे मान स्तम्भ पर चारों दिशाओं में विराजमान भगवान आदिनाथ, भगवान चन्द्रप्रभु, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की जिन प्रतिमाओं का अभिषेक किया। इस दौरान भगवान आदिनाथ, पदमप्रभु जी, सुपार्श्वनाथ जी, चन्द्रप्रभु जी, शांतिनाथ जी, मुनिसुब्रतनाथ जी, नेमीनाथ जी, पार्श्वनाथ जी एवं महावीर स्वामी जी की पूजा अर्चना करते हुए अष्ट द्रव्य से अर्घ्य चढ़ाए। इस दौरान अग्रवाल समाज के युवा अध्यक्ष सुनिल भाणजा, मनोज पाटनी, विष्णु बोहरा, मोहित चंवरिया, चन्द्रेश शिवाड, नरेश बडागांव, राजकुमार टोंक, पवन बोहरा, ऋषभ भाणजा, राकेश संघी, हितेश छाबडा, आशीष सिरस, हेमंत चंवरिया, रोनक बोहरा, दीपक पराणा, विनय जैन व बंटी झांझरी सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन सेवा को समर्पित रहता है-चौहान

बढ़ता राजस्थान

टोंक((का.स) । भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के एक साल के सफलतम कार्यकाल होने पर एक साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान ने अस्पताल में कैंसर वार्ड का उद्घाटन किया। भाजपा कार्यालय टोंक में 32 विकलांगजनों को ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर सहित उपकरण बांटे गए, विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरण किया गया, साथ ही कार्यकर्ताओं से संवाद कर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के सहयोग से आमजन की समस्या के निवारण के लिए सदैव तत्पर रहे हैं। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता सत्ता में हो या विपक्ष में जनसेवा का कार्य करता रहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा डबल इंजन सरकार जन-जन के स्वास्थ्य के प्रति संकल्पबद्ध है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान अग्रणी राजस्थान बन रहा है। हम सबका कर्तव्य रहता है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन सेवा को समर्पित रहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की बूथ तक इकाई बनी हुई है, आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी टोंक जिले में परचम लहरायेगी। टोंक में प्रधान, चेयरमैन, जिला प्रमुख सभी भारतीय जनता पार्टी के बनेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हर समाज के व्यक्ति को साथ लेकर चलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत एवं अनुशासन में निहित है।

इस अवसर पर जिला प्रभारी जितेंद्र शर्मा, सह-प्रभारी रामानंद गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, सत्यनारायण चौधरी, सतीश चंदेल, नरेश बंसल, रामनिवास गुर्जर, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, बेणी प्रसाद जैन, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, राजेन्द्र सैनी उर्फ बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, ममता जाट, रामचंद्र गुर्जर, जिला मंत्री तरुण टिक्किवाल, बिना छामुनिया, हरिराम यादव, रामकिशन गुर्जर, राधेश्याम चावला, नीलिमा आमेरा, प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश मंगल, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा,

प्रवक्ता रत्तीराम पहाडिया, जुली शर्मा, विजय मालवानी, कार्यालय मंत्री शम्भू शर्मा, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, राजकुमार मीणा, शिवजी लाल चौधरी, निवाई चैयरमैन दिलीप ईसरानी, निवाई प्रधान रामावतार लांगडी, हेमन्त सैनी, लोकेश गुप्ता, आरव सिसोदिया, बलवंत मराठा, मंडल अध्यक्ष नन्दलाल छान, भगवान सैनी, धोलू गुर्जर, सुरेश काचरिया, विष्णु चावला, ममता साहू, सुनील शर्मा, शंकर लाल जाट, नितिन जैन, केदार चौधरी, देवी शंकर गुर्जर, शिवराज गुर्जर, केदार जाट, पुरुषोत्तम शर्मा, चरण सिंह चौधरी, पंकज शर्मा, उज्जवल गौतम, पंकज पहाडिया, देवराज गुर्जर एवं दशरथ भाटी आदि मौजूद थे।

टोंक चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स जिले के बीस उद्यमियों को उद्योग रत्न से करेगा

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स) । टोंक चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा शुक्रवार को एक समारोह में टोंक जिले के 20 उद्यमियों को उद्योग रत्न से सम्मानित किया जाएगा। टोंक चैम्बर के अध्यक्ष राजीव सिंघल एवं उपाध्यक्ष राजीव बंसल ने बताया कि इस समारोह के मुख्य अतिथि दैतापति भभानी दास महाराज एवं जगन्नाथ मंदिर पुरी ओडिसा के मुख्य पुजारी के होंगे, जो उस प्राचीन दैता सेवायत वंश से आते हैं, जिनका संबंध सीधे भगवान जगन्नाथ की सेवा परंपरा से है। विशिष्ट अतिथि कोटा स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के आगामी अध्यक्ष दीपक मेहता एवं ओ पी राजपुरोहित होंगे, जो दूरदर्शन से जुड़े होने के साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी है। अध्यक्ष राजीव सिंघल ने बताया कि टोंक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, टोंक जिले के व्यापारियों, उद्यमियों एवं औद्योगिक जगत के प्रतिनिधि संगठन के रूप में, सदैव क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। राजस्थान सरकार की राजस्थान उद्योग रत्न पुरस्कार योजना से प्रेरणा लेते हुए, चैंबर अब टोंक जिले के उन उद्योगपतियों व उद्यमियों को सम्मानित करने जा रहा है, उपाध्यक्ष राजीव बंसल ने कहा कि उद्योग रत्न सम्मान का उद्देश्य है।

टोंक जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों को राज्य स्तर पर प्रेरणा प्रदान करना, स्थानीय स्तर पर उत्पादन, निर्यात, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों में योगदान को मान्यता देना, टोंक को एक मजबूत औद्योगिक हब के रूप में स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले उद्योगपतियों को प्रोत्साहित करना, जिले के युवा उद्यमियों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करना ताकि वे बड़े सपने देखें तथा टोंक की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। यह सम्मान चैंबर द्वारा वार्षिक दिया जाएगा, जिसमें चयन प्रक्रिया पारदर्शी, योग्यता आधारित व विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई है, इससे टोंक के औद्योगिक परिदृश्य में नई ऊर्जा आएगी और स्थानीय उद्योगपति राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। टोंक चैम्बर के सचिव संजीव सिंहल ने बताया कि इस वर्ष उद्योग रत्न से सम्मानित होने वाले उद्यमियों में टोंक के प्रमुख व्यवसायी मोइनुद्दीन निज़ाम, डॉ. राजीव बंसल, डॉ. शानू बंसल बंसल हॉस्पिटल, पारस कुमार जैन डायरेक्टर ऑफ श्री बालाजी इंडस्ट्रीज निवाई, सुशील कुमार जैन सौरभ एक्सपोर्ट, गजेंद्र जिंदल जी के स्टोन इंडस्ट्री देवली, सुनील बंसल द ओशियन रिसॉर्ट, शैलेष गोयल गोयल हॉस्पिटल टोंक, अजीत सिंघल कविता फूड इंडस्ट्री दुबई, धरम चंद बंसल एसकेडीके उनियारा, कमलेश सिंगोदिया मदरलैंड चिल्ड्रन एकेडमी, दिनेश कुमार पाटोदी डीएस एग्रोटेक उनियारा, राहुल जैन रेवेन्स इंडस्ट्रीज, दिनेश कुमार जैन एमसीएनके ग्रुप निवाई शामिल है।

राजस्थान नर्सेज यूनियन टोंक ने सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स) । राजस्थान नर्सेज यूनियन टोंक ने मंगलवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम अति. जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के मामले में नर्सिंग ऑफिसर को जबरन नहीं फंसाने की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि नर्सिंग देव सिंह ने डॉक्टर की पर्ची में जो इन्जेक्शन लिखा था, वही इन्जेक्शन दिया गया था । नर्सिंगकर्मियों ने चिकित्सा मंत्री से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नर्सिंग ऑफिसर देवसिंह को न्याय दिलायें जाने की मांग की है । साथ ज्ञापन में लिखा है कि सीनियर नर्सिंग ऑफिसर व नर्सिंग ऑफिसर को कुछ मेडिसन लिखने एवं देने का अधिकार दिलाया जावे, जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र की सीएचसी एवं पीएचसी पर एसएनओ व एनओ पूरी लगन व मेहनत से ग्रामीण क्षेत्र में सेवा कर सकें। साथ ही पेय स्लिप में एम एन प्रथम, एएम एन द्वितीय को एसएनओएनओ करवाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में जिला संयोजक संजय कुमार बैरवा, सियाराम जाट डोडवाड़ी, प्रिया, भावना जाट, गंगपाल सहाय, राकेश, विनोद बैरवा, मोजीराम, विष्णु दास गुर्जर, अरविंद बैरवा, चंद्रा लाल, यासिर नकवी आदि शामिल थे।

बीएसएनएल लाया विशेष प्लान आपका नंबर अभी भी आपका है

बढ़ता राजस्थान

टोंक(का.स) । भारत संचार निगम लिमिटेड ने एक बार फिर शिवरात्रि एवं होली के उपलक्ष्य में अपने मौजूदा मोबाइल उपभोक्ताओं के लिए 31 मार्च 2026 तक की अवधि के लिए पूर्ण स्वदेशी 4जी मोबाइल सेवा का विशेष ऑफर आपका नंबर अभी भी आपका है शुरू किया है। इसके अंतर्गत बीएसएनएल के मौजूदा मोबाइल उपभोक्ता, जिन्होंने अपना नंबर रिचार्ज नहीं करवाया है एवं उनका नंबर ग्रेस पीरियड में चला गया है वे उपभोक्ता मात्र 449 रुपए में अपना नंबर रिचार्ज करवाकर अपने नंबर को दोबारा एक्टिव करवा सकते है, जिसमें उन उपभोक्ताओं को 90 दिन के लिए प्रतिदिन असीमित कालिंग, 100 एसएमएस प्रतिदिन व 5 जीबी हाई स्पीड इन्टरनेट डेटा मिलेगा। जिसमें उन उपभोक्ताओं को 90 दिन के लिए प्रतिदिन असीमित कालिंग, 100 एसएमएस प्रतिदिन व 5 जीबी हाई स्पीड इन्टरनेट डेटा मिलेगा। बीएसएनएल टोंक के प्रबंधक वेद प्रकाश वर्मा ने बताया कि जनता अपने क्षेत्र में बीएसएनएल के संबंधित कार्यालयों, उपभोक्ता सेवा केंद्र या निकटतम रिटेलर से इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अनीमिया की दर को कम करने हेतु आयोजित हुआ शक्ति दिवस

बढ़ता राजस्थान

टोंक((का.स) । अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शक्ति दिवस आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों, किशोर-किषोरियो, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर को कम करने हेतु जिलें में माह के प्रत्येक मंगलवार को 'शक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। डॉ. चौधरी ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्रो, उप स्वास्थ्य केन्द्रो, पीएचसी, सीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानो पर शक्ति दिवस आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियत्रण हेतु स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. चौधरी ने बताया कि उक्त दिवस पर अनीमिया से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें अनीमिया की स्क्रिनिंग, जांच, उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

अन्याय अनिति करने वाले को अपने कर्मों के अनुसार समय आने पर दंड जरुर मिलताः- चोकसराम मुनि महाराज

बढ़ता राजस्थान

उनियारा। उनियारा उपखण्ड अलीगढ़ तहसील क्षेत्र चौरू कस्बे में स्थित रामस्नेही संप्रदाय के रामद्वारे के संत श्री चौकस राम जी मुनि महाराज का सर्व समाज द्वारा गुरुवाणी के उदघोष के साथ के भव्य जुलूस निकाला गया।

जुलुस में महिलाओं पुरुषों का जन सैलाब उमड़ा। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। जुलूस के दौरान हिंदु मुस्लिम एकता का संगम देखने को मिला।हर कोई महाराज की चरण वंदना कर आशीर्वाद लेने को आतुर था। जुलूस के दौरान घर घर के बाहर महाराज का पुष्प वर्षा और माल्यार्पण के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान लोगों द्वारा मिठाई भी बांटी गई। डीजे पर भजनों के साथ भक्तजन नाचते गाते हुए जुलूस का आनंद ले रहे थे। भक्ती रस की बयार के साथ जुलूस का लवाजमा रामद्वारे से शुरू होता हुआ क्यारज राम जी महाराज के समाधी स्थल पर पहुंचा। वहां पर संत श्री चोकसराम जी मुनि महाराज ने विधिवत पूजा अर्चना कर समाधी स्थल पर ढोक लगाई। इसके बाद जुलूस का लवाजमा बढ़ता गया।हर कोई महाराज के दर्शन करने के लिए आतुर थे। जुलूस वहां से शुरू होकर सड़क मार्ग होते हुए कंकाली माता मंदिर पर पहुंचा। इसके बाद देहलवाल जी महाराज के मंदिर से होता हुआ चौथ का बरवाड़ा रोड़ से होकर बालाजी मंदिर पर पहुंचा। सत्य पर रहने वाले की कभी हार नहीं होती है। ईश्वर पर विश्वास आस्था बनाएं रखें। अन्याय अनिति करने वाले को अपने कर्म के अनुसार समय आने पर दंड जरुर मिलता है। बुरा करने वाले के साथ भी बुरा करने की नहीं सोचे समय पर उसे अपने कर्म के अनुसार परिणाम मिलेगा। जुलूस में अलीगढ़ थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी, हैंड कांस्टेबल मेघराज मीणा सहित पुलिस का व्यापक बंदोबस्त रहा। समापन के बाद उपस्थित भक्तों को प्रसादी बांटी गई। इस दौरान रामपाल सैनी, हनुमान मीणा,राधेश्याम माली,राधअनवर मोहम्मद,पुर्व सरपंच बुद्धि प्रकाश मीणा,मुरारी लाल सैनी,बृजेश शर्मा, रामनिवास माली,शेर अली,महेश प्रजापत मुकेश मीणा,शेरु मोहम्मद, हनुमान वैष्णव,धनराज धाकड़,मोहन लाल मीणा,कन्हैया लाल सैनी,(भभीवाल)दिनेश धाकड़, गणेश सैनी, विशाल सैनी,सुरेन्द्र धाकड़,बीपी मीणा कालु लाल सैनी,एजाज खान, घनीशयाम धाकड़,सुनिल सैनी,चंद्र प्रकाश शर्मा,तारा चंद्र जांगिड़,कपुर चंद्र शर्मा, मुन्ना मोहम्मद,रामफुल ताजी,लालाराम मीणा,जमना लाल मीणा,ओम प्रकाश नायक, रामस्वरूप गुर्जर, सहित कई लोग जुलूस में उपस्थित रहे।

पंचायतीराज चुनाव-2026 : मतदान से लेकर मतगणना तक हर तैयारी की हुई समीक्षा

- जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अरुण कुमार हसीजा ने ली सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों व एसडीएम की पहली बैठक
- निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न हों, हर नियम की अक्षरश : पालना करें : हसीजा

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। आगामी पंचायतीराज चुनाव-2026 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अरुण कुमार हसीजा ने मंगलवार सायं जिला परिषद सभागार में सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों एवं सभी एसडीएम की पहली समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, मंदिर मण्डल नाथद्वारा सीईओ जितेंद्र पांडे, एडिशनल एसपी रजत विश्नोई सहित सभी प्रकोष्ठ प्रभारी, जिले के सभी उपखंड अधिकारी मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी हसीजा ने निर्देश दिए कि निर्वाचन की अधिसूचना जारी करने से लेकर नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति, संवीक्षा, नाम वापसी, चुनाव चिन्ह आवंटन, अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने, पहचान पत्र जारी करने तथा राज्य निर्वाचन आयोग को समस्त सूचनाएं समय पर प्रेषित करने की कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रमुख एवं उप प्रमुख के चुनाव सहित आरओ सेल से संबंधित समस्त कार्य समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निर्वाचन प्रक्रिया में समन्वय, मॉनिटरिंग और पारदर्शिता पर जोर

हसीजा द्वारा जिला निर्वाचन अनुभाग को आयोग से प्राप्त पत्रों का त्वरित संप्रेषण, निर्वाचन नामावली की तैयारी, मतदान केंद्रों का प्रकाशन तथा वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठकों की एजेंडावार तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कानून व्यवस्था प्रकोष्ठ को एरिया एवं जोनल मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति, धारा 163 बीएनएसएस 2023 के अंतर्गत निषेधाज्ञा, कोलाहल नियंत्रण, संपत्ति विरूपण अधिनियम, पोस्टर-बैनर नियंत्रण, सूखा दिवस घोषणा तथा अनुज्ञप्त शस्त्र जमा कराने जैसी कार्यवाहियां समय पर पूर्ण करने को कहा गया। संस्थापन प्रकोष्ठ को चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा एमसीसी अवधि में कार्यग्रहण व कार्यमुक्ति संबंधी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सामान्य व्यवस्था प्रकोष्ठ को मतदान दल रवानगी एवं संग्रहण स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं, स्ट्रॉन्ग रूम चयन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

मतदान, मतगणना, प्रशिक्षण व सुरक्षा व्यवस्थाओं की रूपरेखा तय

मतदान एवं मतगणना दल गठन प्रकोष्ठ को कार्मिकों का डाटा संधारण, रेंडमाइजेशन, आवास, पेयजल, बिजली, परिवहन एवं कंट्रोल रूम स्थापना की तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशिक्षण प्रकोष्ठ को प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार कर मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से चरणबद्ध प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस बल को क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केंद्रों की पहचान, सुरक्षा प्लान तैयार करने, सशस्त्र बल तैनाती तथा नियमित एलओआर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। मतपत्र मुद्रण, ईवीएम कमीशनिंग, रेंडमाइजेशन, परिवहन एवं स्ट्रॉन्ग रूम सुरक्षा के लिए संबंधित प्रकोष्ठों को समन्वित कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

पीड़ित और जरूरतमंद की सेवा ही ईश्वर की पूजा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है-सीताराम बैरवा

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। अखिल भारतीय ब्राह्मण महा सभा एवं गांधी सर्वोदय संस्थान के द्वारा मंगलवार को शहर के श्री मोहनजी मंदिर में भाजपा नेता लखपत गुर्जर की अध्यक्षता में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भामाशाह मोहन स्वरूप पाराशर और उमेश पाराशर के सौजन्य से सीओ सीता राम बैरवा के मुख्यातिथ्य में 101 जरूरत मंद विधवा महिलाओं को कम्बल वितरित किए गए।

विशिष्ट अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनीता राघव, प्राचार्य गोपाल प्रसाद शर्मा, भाजपा नेता प्रदीप शर्मा शिक्षाविद कृष्ण बल्लभ शर्मा थे। मुख्य अतिथि सीओ बैरवा ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा ही ईश्वर की पूजा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है इसलिए प्रत्येक समर्थवान व्यक्ति को जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने समाजसेवी लोगों से भी ऐसे पुनीत कार्य में आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में लखपत सिंह गुर्जर और रोशनी चौधरी, शिक्षा के क्षेत्र में लक्ष्मण

पाराशर के पी सिंह तथा दसवीं में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों में देव मुद्गल, व्योम मुद्गल और कनिष्क मुद्गल को सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन चंद्रभान चंद्र ने किया। इस अवसर पर सतीश दुबे, विष्णु शर्मा, लक्ष्मण सिंह , दीपचंद शर्मा, विनीता पचौरी, जगत पाराशर आदि मौजूद रहे।

राजपाल सिंह भाटी को मिला 'बेस्ट ट्रैफिक पुलिस अवार्ड', जयपुर कमिश्नरेट में हुआ सम्मान

बढ़ता राजस्थान

पावटा (नि.स.) । उपखंड क्षेत्र के ग्राम दाँतिल निवासी राजपाल सिंह भाटी ने अपने उत्कृष्ट कार्य से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जयपुर ट्रैफिक पुलिस में कार्यरत राजपाल सिंह भाटी को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आयोजित भव्य समारोह में 'बेस्ट ट्रैफिक पुलिस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, नियमों के प्रभावी पालन तथा जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण के लिए प्रदान किया गया। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें प्रशंसा पत्र और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और गणमान्यजनों ने उनके कार्य की भूरि-भूरि सराहना की। राजपाल सिंह भाटी अपने कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार, अनुशासन और सकारात्मक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जयपुर की व्यस्त सड़कों पर यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ-साथ आमजन में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनका योगदान सुरक्षित और सुव्यवस्थित जयपुर के निर्माण में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर ग्राम दाँतिल सहित पूरे पावटा क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामवासियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फाइनेंस ऑफिस पर दिन दहाड़े फायर करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

- आरोपियों में एक अंतराज्यीय बदमाश भी, जिस पर कई अन्य मामले भी दर्ज हैं

बढ़ता राजस्थान

सिरोही (नि.स.)। रेवदर कस्बे में दिन-दहाड़े फायर करने वाले तीन बदमाशों का गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। तीन दिन पहले ही बदमाश रेवदर कस्बे में एक फाइनेंस ऑफिस में बैठे कर्मचारी पर फायर कर फरार हुए थे। गिरफ्तार आरोपियों में एक अंतराज्यीय बदमाश भी शामिल है, जिस पर कई राज्यों में विभिन्न मामले दर्ज है।

पुलिस के अनुसार रेवदर में एक वाहन में आए बदमाशों ने एक फाइनेंस ऑफिस को टारगेट किया था। यहां सेठ के बारे में जानकारी मांगी। इसके बाद बदमाशों ने वहां बैठे कर्मचारी पर दो राउंड फायर दाग कर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी करवाई, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए। तकनीकी आधार पर तलाश शुरू करने पर मामले में तीन बदमाशों को दबोच लिया गया। अलग-अलग स्थानों से पकड़ में आए इन आरोपियों में रूंघड़ी (खिवांडा-पाली) हाल सूरत निवासी सवाईसिंह उर्फ सोनू पुत्र सुरेंद्रसिंह राजपुरोहित, दांतराई रेवदर निवासी शिशुपालसिंह पुत्र हरिसिंह राव व कालन्द्री निवासी राजेन्द्रसिंह पुत्र मंगलसिंह शामिल है। मामले में अन्य बदमाशों को भी नामजद किया गया है, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

छिपते हुए काट रहा था फरारी

पुलिस के अनुसार इस मामले में मुख्य आरोपी सवाईसिंह उर्फ सोनू पर राजस्थान व गुजरात में कई मामले दर्ज हैं। सूरत में हिट एंड रन, चाकूबाजी, वसूली, सुमेरपुर में फिरौती, फायर, हत्या में संलिप्तता, बाली में मारपीट, हमला करने जैसे कई मामले दर्ज है। वह जोधपुर, सूरत व जैसलमेर समेत अलग-अलग जगहों पर छिपते हुए फरारी काट रहा था।

प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव करवाने की मांग

एडवोकेट देवांश सिंह ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

पावटा (नि.स.)। कांग्रेस नेता एवं जयपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता देवांश सिंह ने प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव पुन: प्रारंभ करवाने की मांग को लेकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। देवांश सिंह ने राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा उच्च शिक्षा मंत्री व उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा को भेजे ज्ञापन में छात्रहितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र चुनाव कराने की मांग उठाई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न परिस्थितियों के चलते छात्रसंघ चुनाव स्थगित कर दिए थे। अब जबकि शैक्षणिक वातावरण सामान्य हो चुका है, ऐसे में इस वर्ष प्रदेशभर में पूर्व की भांति नियमित और सुचारू रूप से छात्रसंघ चुनाव करवाना आवश्यक है। देवांश सिंह ने कहा कि प्रदेश के हजारों विद्यार्थी छात्रसंघ चुनावों की बहाली की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं समयबद्ध कार्यक्रम घोषित कर चुनाव संपन्न कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव लोकतंत्र की पहली सीढ़ी होते हैं। इन्हीं चुनावों से छात्र नेतृत्व उभरता है, जो आगे चलकर प्रदेश और देश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाता है।

छात्रसंघ व्यवस्था युवाओं में नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करती है। देवांश सिंह द्वारा ज्ञापन के माध्यम से सरकार से आग्रह किया है कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में शीघ्र आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर छात्रसंघ चुनाव आयोजित कराए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का उनका अधिकार सुनिश्चित हो सके।

जिला स्तरीय कृषि एवं उद्यानिकी समितियों की बैठक सम्पन्न

विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय कृषि समिति, जिला उद्यानिकी विकास समिति, आत्मा शासी परिषद, जिला स्तरीय निगरानी समिति (फसल बीमा), जिला स्तरीय उर्वरक नियंत्रण समिति, जिला स्तरीय तिलहन मिशन तथा जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति (तिलहन) की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत संयुक्त निदेशक कृषि भूपेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन से की गई। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी एवं आत्मा अंतर्गत गठित विभिन्न समितियों एवं उनके कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। डीबीटी योजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि सिंचाई पाइपलाइन, कृषि यंत्र, फार्म पौंड, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक एवं कृषि संकाय में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि जैसी योजनाओं में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गई हैं। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि अधिक से अधिक कृषकों के आवेदन प्राप्त कर लक्ष्यों के अनुरूप स्वीकृतियां जारी की जाएं।

जेईई मेन परीक्षा में डीपीएस के 10 विद्यार्थियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर के नौ विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित जॉइंट एंट्रेंस एक्जाम-जेईई मेन- 2026 परीक्षा में 90 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्राचार्य संजय नरवरिया ने बताया कि अध्ययन के प्रति समर्पित देव गहलोत (99.88), वैभव कच्छारा (99.53), दक्षिता अग्रवाल (99.13), काव्या चिराग कोठारी (98.6), श्रेष्ठ शर्मा (97.59), धनंजय अग्रवाल (95.69) अहोना सेन (95.27), वंशिका कुमावत (94.5), निर्झर जैन (92.33), शिनि बाबेल (91.74) ने अपने अथक परिश्रम व लगन से यह सफलता अर्जित की है। विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन श्री गोविंद अग्रवाल ने बताया कि ये सभी छात्र प्रारंभ से ही होनहार और परिश्रमी हैं। इन्होंने अब तक की सभी परीक्षाओं में अपनी प्रतिभा के बल पर सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए हैं। ये सभी छात्र अप्रैल माह में होने वाली जेईई मेन परीक्षा में भाग लेंगे। छात्रों की इस सफलता पर प्राचार्य संजय नरवरिया व उप प्राचार्य राजेश धाभाई ने छात्रों व उनके अभिभावकों को बधाई दी और जेईई की अप्रैल की परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ दीं।

कैटल शेड के लिए 80 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

- दस कैटल शेड पास करने की एवज में जेटीए ने ली रिश्वत
- रेवदर पंचायत समिति की उड़वारिया पंचायत का मामला

बढ़ता राजस्थान

सिरोही (नि.स.)। रेवदर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत उड़वारिया में कैटल शेड बनाने की एवज में 80 हजार रुपए रिश्वत ले रहे जेटीए को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। उसने दस शेड पास करने की एवज में यह रिश्वत मांगी थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर से आई विशेष टीम ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार रेवदर में कार्यरत जूनियर टेक्निकल एसिस्टेंट (जेटीए) दिनेश वैष्णव को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा गया है। उसने ग्राम पंचायत उड़वारिया में दस कैटल शेड बनाने की एवज में प्रति शेड दस-दस हजार रुपए की रिश्वत मांगी। राशि ज्यादा होने से मामला बातचीत से तय किया गया। इसके बाद जेटीए ने प्रति कैटल शेड आठ-आठ हजार रुपए मांगे। दस कैटल शेड पास करने की एवज में 80 हजार रुपए में मामला तय किया गया। परिवादी ने जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को इसकी शिकायत प्रस्तुत की। सत्यापन के बाद विशेष टीम ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी टीम ने रेवदर में पंचायत समिति के बाहर जेटीए को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

उदयपुर में बीसीआई के तीनों चैप्टर्स की संयुक्त आधिकारिक बैठक आज, तीनों चैप्टर्स के जुटेंगे सदस्य, बिजनेस नेटवर्किंग पर होगा मंथन

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। बिजनेस सर्कल इंटरनेशनल (बीसीआई) के बीसीआई अल्फा, बीसीआई उत्सव और बीसीआई युवा की संयुक्त आधिकारिक बैठक बुधवार 18 फरवरी को होगी।

बीसीआई के फाउंडर एंड चेयरमैन मुकेश माधवानी ने बताया कि होटल जगत में शाम 6 बजे से शुरू होने वाली इस आधिकारिक बैठक में बीसीआई अल्फा, बीसीआई उत्सव और बीसीआई युवा के सदस्य एक ही छत के नीचे जुटेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु बिजनेस इकोसिस्टम को मजबूत करना है, जिसके तहत आगामी बिजनेस कॉम, वूमेंस डे सेलिब्रेशन और बीसीआई एनुअल रिवार्ड्स जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। साथ ही, तकनीक के माध्यम से व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक विशेष बिजनेस मैनेजमेंट एप्प और गिव एंड ग्रो मॉडल पर चर्चा होगी, जो सदस्यों के बीच आपसी लेन-देन और व्यावसायिक पारदर्शिता को नए आयाम प्रदान करेगा। बीसीआई अल्फा के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह करीर ने कहा कि यह आयोजन केवल एक बैठक मात्र नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। इसमें व्यापारिक चुनौतियों के समाधान, बाजार की वर्तमान स्थिति और संगठन को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढालने के लिए रणनीतिक चर्चा की जाएगी, ताकि हर उद्यमी को प्रगति के समान अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि बैठक में बिजनेस प्रेजेंटेशन होगा। साथ ही, पिछले सत्र में हुए बिजनेस एक्सचेंज के आंकड़े भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा बेस्ट परफॉर्मेंस पर सदस्यों को रिवॉर्ड भी मिलेगा। बीसीआई उत्सव के अध्यक्ष संजीव पटवा ने बताया कि बैठक के दौरान सामूहिक व्यापारिक गतिविधियों और श्रेफरल बिजनेसश् मॉडल पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

आपसे प्रेम सहयोग सम्मान ही सच्चा जीवन है-बबीता दीदी

डीग में श्री ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यकर्ताओं द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी व किया शिव ध्वजारोहण

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय उप सेवा केंद्र डीग की ओर से मंगलवार को महाशिवरात्रि का पावन पर्व ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी की अध्यक्षता में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। भीविशिष्ट अतिथि हिंदी साहित्य समिति डीग के महामंत्री भगवान शरण , राजयोग शिक्षिका एवं प्रभारी डीग ब्र. कु. प्रवीणा बहिन, योगिता बहिन एवं जागृति बहिन थी।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वरीय स्मृति गीत ऐ आत्माओं सुन लो शिव ये शुभ संदेश से हुई। मुख्य अतिथि संत दास बाबा ने कहा कि परमात्मा शिव एकांतवासी हैं और उनकी प्राप्ति के लिए मौन व एकांत आवश्यक है। समय स्वप्न के समान है, इसे व्यर्थ न गवाएं। उन्होंने ईर्ष्या, निंदा और चुगली से दूर रहने का संदेश देते हुए सभी को महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में बबिता दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि यह परमात्मा के अवतरण का दिवस है। नमक और मिर्च त्यागने का अर्थ कड़वे और तीखे वचनों का त्याग करना है। आपसी प्रेम, सहयोग और सम्मान ही सच्चा जीवन है।

चंद्रभान वर्मा ने घर-घर शिव का ध्वज फहराएंगे कविता प्रस्तुत की। ब्रह्माकुमारी योगिता बहिन ने परमात्मा को निराकार ज्योति बिंदु स्वरूप बताया।

कार्यक्रम से पूर्व कस्बे में प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें सजाई गई शिव शंकर एवं राधा-कृष्ण की झांकियां सभी के आकर्षण का केंद्र रही। प्रभात फेरी को संत दास बाबा राजा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अतिथियों ने शिव ध्वजारोहण कर मन, वचन, कर्म से किसी को दुख न देने की प्रतिज्ञा दिलाई।

मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम के मासिक भंडार से 18 लाख 74 हजार 787 रु. की राशि निकली

बढ़ता राजस्थान

सुनील कुमार डभाड़ीया । कपासन -मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनिमहाराज आली के मासिक भंडार से 18 लाख 74 हजार 787 रु. की भेंट राशि प्राप्त हुई है।साथ ही भंडार से प्राप्त सिक्को की गणना का कार्य बाकी है।

जानकारी अनुसार उपखंड क्षेत्र कपासन में स्थित मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनिमहाराज आली के मासिक भंडार सोमवार को खोले गये।उक्त प्रसिद्ध शनिधाम के भंडारों से 18 लाख 74 हजार 787 रु. की भेंट राशि प्राप्त हुई।यहां

प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनिमहाराज आली तीर्थ स्थल पर प्रत्येक माह अमावस्या से पूर्व चतुर्दशी पर भंडार खोले जाते हैं।

श्री शनिमहाराज आली मंदिर कमेटी सचिव कालू सिंह चौहान ने बताया कि सोमवार सुबह न्याय के देवता श्री शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना के बाद भंडार खोले गये।इस दौरान मंदिर कमेटी अध्यक्ष नरेंद्रपाल सिंह, संरक्षक पवन कुमार सांखला,कोषाध्यक्ष गोपालकृष्ण शर्मा आदि कमेटी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में मुख्य मंदिर,नवग्रह मंदिर एवं तेल कुंड भंडार से भेंट राशि निकाली गयी।जिससे कुल 18 लाख 74 हजार 787 रु. की राशि प्राप्त हुई।

इस मौके पर कमेटी सदस्य गोपाल सुथार,रामेश्वरलाल सुथार,रूपलाल गाडरी,भैरूलाल लोधा,कालुराम कीर, कालुराम कुम्हार,शैलेन्द्र शर्मा,सत्यनारायण जाट, दीपक जोशी,गणेश जाट,गोवर्धन सिंह,नरेंद्र कुमार, नारायण सिंह,गणपत सिंह,अर्जन सिंह,किशन सिंह, प्रकाश लोढ़ा,राजु जाट,राजु गुर्जर,प्रहलाद वैष्णव, जीवन किर आदि श्रद्धालु सहयोग के साथ उपस्थित रहे।

आस्था की डगर पर नैनवा से रवाना हुआ पैदल यात्रा का जत्था

बढ़ता राजस्थान

नैनवा(टी.आर सैनी) । श्री श्याम मित्र मंडल नैनवां के तत्वाधान में मंगलवार को श्री रंगनाथ मंदिर गढ़ चौक से खाटू श्याम के लिए पैदल यात्रा का जत्था गाजे,बाजे के साथ रवाना हुआ । आस्था के डगर पर जाने से पूर्व सभी ने रंगनाथ मंदिर पर विशेष पूजा अर्चना की गई । यहां से बाबा के निशान एवं श्याम बाबा की झांकी के साथ भजनों पर थिरकने हुए पैदल यात्री रवाना हुए । श्याम मित्र मंडल के सदस्य सहित प्रबुद्ध जनों ने पुष्प वर्षा की गई । कई स्थानों पर पैदल यात्रा के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई । श्री श्याम मित्र मंडल सदस्य ने बताया कि पैदल यात्र के जुलूस में बाबा श्याम की आकर्षक झांकी शामिल होगी की गई 7 शहर के प्रबुद्ध जनों द्वारा पैदल यात्रियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया । गढ़ चौक से जुलूस के रूप पैदाल यात्रियो को विदाई दी गई । पैदल यात्रियों का जत्था 25 फरवरी को खाटू श्याम पहुंचेगा । जहां पूजा अर्चना के साथ ध्वज चढ़ाया जाएगा । समिति के लोगों ने बताया कि यह 15वीं विशाल पदयात्रा है । पदयात्रा में जाने वाले हर श्याम भक्तों की सुविधा का ध्यान रखा जायेगा ।

पटवारी सुनील विश्नोई के साथ की गई मारपीट एवं दुर्व्यवहार की घटना पर त्वरित कार्रवाई हेतु आभार

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा प्रकाश खत्री। निम्बाहेड़ा के कनेरा घाटा क्षेत्र मे हाल ही में पटवारी सुनील विश्नोई के साथ की गई मारपीट एवं दुर्व्यवहार की घटना को गंभीरता से लेते हुए, श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार उपखंड प्रशासन, पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। प्रकरण में संलिप्त अपराधियों को मात्र 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाना प्रशासन की संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता एवं कानून-व्यवस्था के प्रति सजगता का प्रमाण है। इस त्वरित कार्रवाई से समस्त राजस्व कार्मिकों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना सुदृढ़ हुई है। पटवार संघ, कानूनगो संघ, तहसीलदार सेवा परिषद (राजस्व सेवा परिषद) जिला, उपखण्ड प्रशासन एवं पुलिस विभाग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया। साथ ही, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक समाचार प्रसारित कर प्रशासनिक कार्यवाही को जन-जन तक पहुँचाने हेतु समस्त प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों (प्रेस बंधुओं) का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी प्रशासन एवं पुलिस विभाग का ऐसा ही सहयोग एवं संरक्षण प्राप्त होता रहेगा।

ओलंपिक 2036 में भीलवाड़ा के खिलाड़ी खेलें, विधायक कोठारी का सपना

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा, (अमित शर्मा)। अशोक कुमार कोठारी की प्रेरणा से 'विधायक खेल विकास योजना' के तहत 3 से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए विशेष खेल प्रशिक्षण पहल शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य वर्ष 2036 ओलंपिक में भीलवाड़ा के खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तैयार करना है। संयोजक विवेक निमावत व कोच अजीत जैन ने बताया कि मोबाइल व इंटरनेट की बढ़ती लत के बीच बच्चों को खेलों से जोड़कर स्वस्थ और अनुशासित भविष्य देना लक्ष्य है। शहर में छह मैदानों पर प्रशिक्षित कोचों द्वारा नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निमावत ने स्कूलों व संस्थाओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि संसाधनों के अभाव में प्रतिभाएं पीछे रह जाती हैं। विधायक कोठारी का सपना है कि 2036 ओलंपिक में भीलवाड़ा के खिलाड़ी देश का नाम रोशन करें।

सनातन मंगल महोत्सव-दीक्षा दान समारोह की कड़ी में अग्नि प्रवेश का शुभारंभ

भीलवाड़ा में होगा कुम्भ जैसा वातावरण, सैकड़ों संत-महात्माओं के साथ वीआईपी का आगमन संभावित

प्रतिदिन श्रीमद् भागवत कथा, पंचकुण्डीय महायज्ञ और विविध धार्मिक आयोजन होंग

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा, (अमित शर्मा)। धर्मनगरी भीलवाड़ा में 19 से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह को लेकर शहर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बनना शुरू हो गया है। हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज के सानिध्य में होने वाला यह आयोजन आस्था का 'कुम्भ जैसा वातावरण' प्रस्तुत करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों संत-महात्माओं के साथ कई विशिष्ट अतिथियों (वीआईपी) के आगमन की संभावना जताई गई है।

मंगलवार को महोत्सव की श्रृंखला में सेवा कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रवेश सम्पन्न हुआ तथा भंडारा कोठार सेवा प्रारंभ की गई। पंडित सत्यनारायण शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। भंडार सेवा समिति एवं अनुभवी हलवाइयों की टीम महोत्सव अवधि में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भोजन व्यवस्था संभालेगी। कार्यक्रम में महंत हनुमानराम उदासीन, महंत जमनादास, संत अर्जुनदास, संत सरूपदास, संत हंसदास, संत मायाराम, संत गोविंदराम, संत प्रकाशानंद, संत ओम उदासी सहित अनेक संत-महात्मा एवं बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

वीआईपी आगमन की संभावना

महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने बताया कि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आमंत्रित किया गया है। संबंधित मुख्यमंत्री कार्यालयों से आयोजन की विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है और शीघ्र ही उनके आगमन का अंतिम कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है।

समारोह में उदासीन कार्ष्णि पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी गुरुशरणानंद महाराज (रमणरेती, महावन गोकुल, मथुरा), परम त्यागी तपस्वी बाबा कल्याणदास महाराज (अमरकंटक), गुरु गंगेश्वरधाम के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज, श्री रैवासा वृंदावन धाम के अग्रपीठाधीश्वर मलूकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं का सानिध्य प्राप्त होगा।

भव्य कलश यात्रा से होगा महोत्सव का आगाज

आठ दिवसीय सनातन मंगल महोत्सव का शुभारंभ 19 फरवरी गुरुवार को सुबह 9 बजे श्रीमद् भागवत महापुराण कलश यात्रा से होगा। कलश यात्रा पोस्ट ऑफिस के सामने स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर पहुंचेगी।

19 से 25 फरवरी तक श्रीधाम वृंदावन के कथा व्यास डॉ. श्यामसुन्दर पाराशर के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का वाचन होगा। प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से पंचकुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ, अष्टोत्तर शत (108) भागवत मूल पाठ एवं शतचंडी पाठ का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अखंड श्रीमद्भगवद्गीता पाठ, श्रीरामचरितमानस पाठ, श्रीचंद सिद्धांत सागर पाठ एवं अखंड श्रीरामनाम संकीर्तन भी होगा।

काशी के यज्ञाचार्य कामेश्वरनाथ तिवारी के सानिध्य में यज्ञ संपादन एवं चारों वेदों के मूल पाठ का पारायण किया जाएगा। प्रतिदिन सायं 6 बजे काशी की तर्ज पर गंगा आरती तथा शाम 7 बजे श्रीधाम वृंदावन के रसिकाचार्य कुंजबिहारी शर्मा एवं श्री निकुंज बिहारी रासलीला मंडल द्वारा रासलीला का मंचन होगा। 25 फरवरी को सभी धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्णाहुति होगी तथा उसी दिन भव्य संत दर्शन एवं सनातन शोभायात्रा निकाली जाएगी। 26 फरवरी को सुबह 9 बजे विशाल पांडाल में दीक्षा दान समारोह एवं संत समागम का आयोजन होगा, जिसमें ब्रह्मचारी इन्द्रदेव, कुनाल एवं सिद्धार्थ को विधिपूर्वक दीक्षा प्रदान की जाएगी।

शहर के विभिन्न धर्मस्थलों, सामाजिक संगठनों एवं महिला मंडलों का सहयोग आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने में जुटा हुआ है। पहली बार आयोजित इस सनातन महासंगम में विभिन्न समाजों की सहभागिता से भीलवाड़ा में आध्यात्मिक एकता का अनूठा उदाहरण देखने को मिलेगा।

ब्यावर में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच के ब्यावर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अजमेर रोड स्थित कन्नोजिया कार्यालय में निवर्तमान सभापति नरेश कन्नोजिया के नेतृत्व में दाधीच का स्वागत व अभिनंदन किया गया इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुकेश दाधीच ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष मुरली तिलोकानी, पार्षद दल के मुख्य सचेतक मंगत सिंह मोनू, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इंदु शर्मा, युवा मोर्चा पूर्व अध्यक्ष अजय फुलवारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे इसी प्रकार वीरेंद्र सिंह रावत, ईश्वर तंवर, किशन चांवड़िया, पूर्व सभापति बबिता चौहान, लेखराज कंवरिया, मनोज तंवर, शंकर यादव, भूपेंद्र भोजक, हंसराज शर्मा, सुमित जुलियास, संदीप जोय, सुनीता भाटी, सुमित शर्मा, सम्पत जांगिड़, मुकेश गोयल, महेश चितालांग्या, कंचन चौहान, बबलू चौहान, नरेंद्र चौहान, मुकेश सोनी, रवि टांक, गुरुदेव यादव, अंगदराम अजमेरा, राहुल सिंह, वीरेंद्र राठौड़, शिवदास राठौड़, विकास, राम सिंह रामु, नवीन नायक, अभिमन्यु दाधीच, मनीष चौधरी, महेंद्र चौधरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दाधीच के विचारों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई करने वाले पटवारी सुनील कुमार विश्नोई सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा । जिले में अवैध खनन की गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने पर पटवारी श्री सुनील कुमार विश्नोई को जिला स्तरीय कार्यक्रम में माननीय जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री आलोक रंजन (आई.ए.एस.) द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इसमें राजस्व विभाग की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्री विश्नोई द्वारा तहसील निम्बाहेड़ा क्षेत्र के पटवार हल्का बांगेड़ा घाटा के ग्राम दीपपुरा में साहस, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अवैध खनन गतिविधियों को रोकने की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ आमजन में विश्वास भी बढ़ाते हैं सम्मान प्राप्त करने पर श्री सुनील कुमार विश्नोई ने कहा कि यह प्रशंसा एवं सम्मान उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने इसके लिए माननीय जिला कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं समस्त राजस्व टीम के सहयोग और समन्वय को इस उपलब्धि का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी शासन की मंशा के अनुरूप पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते रहेंगे।

पेंशनर समाज निंबाहेड़ा का वार्षिक अधिवेशन 22 फरवरी को

बढ़ता राजस्थान

निंबाहेड़ा। पेंशनर समाज निंबाहेड़ा की कार्यकारिणी में लिए गए निर्णय के अनुसार स्थानीय पेंशनर समाज का वार्षिक अधिवेशन 22 फरवरी 2026, रविवार को कम्युनिटी सेंटर, आदर्श कॉलोनी निंबाहेड़ा में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम विधायक एवं पूर्व यूडीएच मंत्री श्रीचंद कृपलानी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। अध्यक्ष मानमल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर (जयपुर) अपनी टीम सहित उपस्थित रहेंगे और पेंशनरों को आवश्यक जानकारियां प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पेंशनर समाज द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा करने वाले महानुभावों को सम्मानित भी किया जाएगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशवंत कदम के मार्गदर्शन में अधिवेशन की सफलता के लिए कार्य विभाजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी पेंशनरों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

भामाशाह का सराहनीय योगदानः बायला स्कूल को मिला वाटर कूलर का उपहार

शीतल जल की सौगात से खिले बच्चों के चेहरे, बायला विद्यालय में अनोखी पहल

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल) । जिले के जवाजा क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बायला में सामाजिक सरोकार का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। भामाशाह बाबू काठात ने विद्यार्थी हित को ध्यान में रखते हुए विद्यालय को वाटर कूलर भेंट किया, जिससे बच्चों को स्वच्छ और ठंडे पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी संस्था प्रधान अशोक सिंह चौहान ने बताया कि बजीरा सूबेदार के पुत्र एवं दीना काठात के पुत्र बाबू काठात द्वारा यह सहयोग विद्यार्थियों की सुविधा के लिए किया गया है। उन्होंने इस पहल को समाज के लिए अनुकरणीय बताया कार्यक्रम के दौरान कक्षा 8 के विद्यार्थियों को विदाई भी दी गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में परिश्रम को सफलता की कुंजी बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं समारोह में गोपाल शर्मा ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से सावधान रहने की सीख देते हुए कहा कि यथार्थ का सामना करना और वास्तविक जीवन में जीना ही सच्ची सफलता का मार्ग है इस अवसर पर अजमाल काठात, छोटू उपसरपंच, छगना, इस्माइल, सलीम, सकरुद्दीन फौजी, निजाम फौजी, देसराज, पांचूराम, राजेश नायक, पूनम, विष्णुराम, सुरेश सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक कृपलानी की अनुशंसा पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट रिप्लाई में निंबाहेड़ा विधानसभा को दी बड़ी सौगातें

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट पर सदन में दिए गए बजट रिप्लाई के दौरान मंगलवार को वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र को महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान की हैं। यह घोषणाएं पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी की अनुशंसा पर की गईं।

बजट रिप्लाई में निंबाहेड़ा ब्लॉक के अरनोदा ग्राम में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की गई।

इस निर्णय से अरनोदा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को बेहतर एवं विस्तृत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, अतिरिक्त स्टाफ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार संभव होगा।

इसके अतिरिक्त, छोटीसादड़ी ब्लॉक की अचलपुरा ग्राम पंचायत स्थित ऊंट का घोड़ा एनीकट के निर्माण हेतु 2.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। एनीकट निर्माण से क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होगा। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इन घोषणाओं से निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने इन सौगातों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वित्त एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विधायक श्रीचंद कृपलानी का आभार प्रकट किया है।

कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने सेवा को राष्ट्र निर्माण का बताया आधार

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (मोहित जैन)। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ 'श्रेयस : सामुदायिक प्रगति एवं सशक्त राष्ट्र का आधार युवा' विषय के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए एनएसएस संयोजिका प्रो. मोनिका भटनागर ने बताया कि 'श्रेयस' श्रेष्ठ मार्ग का प्रतीक है, जो व्यक्ति को आत्मिक उन्नति, सेवा और समाजहित की दिशा में अग्रसर करता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि अनुशासन, राष्ट्र निर्माण, समाज सुधार और समावेशिता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद छात्रों को समाज से जोड़ने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कोठारी आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1969 में एनएसएस की स्थापना की गई, जो आज देश के शिक्षण संस्थानों में युवाओं को सामुदायिक सेवा से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है।

कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के तीन प्रमुख स्तंभ—शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार —में एनएसएस की गतिविधियाँ विस्तार कार्य का महत्वपूर्ण आधार हैं, जो शिक्षण संस्थानों को समाज के साथ जोड़ती हैं और सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करने की भावना से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान की भावना से कार्य करें।

कुलगुरु ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का प्रभावी डॉक्यूमेंटेशन और प्रोजेक्शन आवश्यक है, ताकि समाज इन गतिविधियों से परिचित हो सके और अन्य संस्थान भी प्रेरणा प्राप्त करें। आभार ज्ञापन करते हुए एनएसएस अधिकारी डॉ. आशीष पारीक ने बताया कि शिविर के दौरान ग्राम संवाद, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान, नशा मुक्ति तथा सामाजिक समरसता से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. सुब्रतो दत्ता, प्रो. ऋतु माथुर, प्रो. अरविन्द पारीक , प्रो. सुभाष चन्द्र, डॉ. राजू लाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन डॉ. लारा शर्मा ने किया।

भरतपुर में दबिश के दौरान बेटा फरार, मां की मौत आवारा पशु के टकराने से बुजुर्ग की गई जान, स्थाई वारंटी को पकड़ने पहुंची थी टीम

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में सोमवार देर रात पुलिस फरार स्थाई वारंटी को पकड़ने दबिश देने पहुंची। इस दौरान घर के बाहर एक महिला की पशु से टकराने से मौत हो गई। पुलिस को वारंटी नहीं मिला। महिला के शव को आरबीएम हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया और पोस्टमार्टम तक भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

स्थाई वारंटी को पकड़ने पहुंची थी पुलिस टीम सीओ पंकज यादव ने बताया कि पुलिस समय-समय पर स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाती है। शौकीन अटल, बंद थाने का स्थाई वारंटी है। उसे पकड़ने के लिए देर रात पुलिस टीम उसके घर पहुंची थी। पुलिस घर पर मौजूदगी की जांच कर रही थी। दबिश के दौरान महिला की पशु से टक्कर पुलिस जांच के दौरान शौकीन घर पर नहीं मिला। इसी बीच परिजनों की ओर से सूचना दी गई कि शौकीन की मां जन्नत, उम्र करीब 65 साल, की मौत हो गई है। परिजनों का कहना है कि महिला की मौत किसी आवारा पशु से टकराने के कारण हुई। मेडिकल बोर्ड से कराया गया पोस्टमार्टम महिला के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। रात से सुबह तक मॉर्च्युरी पर पुलिस तैनाती महिला की मौत के बाद देर रात ही शव को आरबीएम हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। रात में मॉर्च्युरी पर 4 हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात किए गए। सुबह पोस्टमार्टम के समय कोतवाली थाना, मथुरा गेट थाना और पुलिस लाइन का जाब्ता मौजूद रहा। महिला पुलिसकर्मियों को भी मॉर्च्युरी पर तैनात किया गया।

नदबई में आज 3 घंटे बिजली कटौती दोपहर 12 बजे से आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते बंद रहेगी सप्लाई

बढ़ता राजस्थान

नदबई (नि.स.)। नदबई क्षेत्र में बुधवार को तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग द्वारा आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते यह शटडाउन लिया जा रहा है। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

12 से 3 बजे तक रहेगा शटडाउन

बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता कृष्णवीर सिंह के अनुसार नदबई के 220 केवी जीएसएस कुम्हेर रोड नदबई से निकलने वाली 33 केवी नदबई द्वितीय बरौलीरान, तलछेरा और झारकई लाइन पर कल दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक मरम्मत कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

इन जीएसएस से जुड़े क्षेत्रों में रहेगा असर

मरम्मत कार्य के कारण 33/11 केवी बरौलीरान, 33/11 केवी तलछेरा तथा 33/11 केवी झारकई जीएसएस से जुड़े गांवों और ढाणियों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि कनेक्शन और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी प्रभावित होंगे।

आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का कार्य

विभागीय अधिकारियों के अनुसार लाइन की तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने के उद्देश्य से यह शटडाउन लिया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी बड़े फॉल्ट या आकस्मिक बाधा से बचा जा सके।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता को अकेली देख घर में घुसा था

बढ़ता राजस्थान

बयाना (अमन झालानी)। बयाना कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव में दिनदहाड़े घर में घुसकर नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर पीड़िता की मां ने कोर्ट इस्तगासा के जरिये भारतीय न्याय संहिता व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में पुलिस में मामला दर्ज कराया था। 24 वर्षीय आरोपी युवक पीड़िता के गांव का ही रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां ने रिपोर्ट में बताया था कि 4 जनवरी को वह अपने परिजनों के साथ पड़ोस में एक वृद्धा के निधन पर शोक सभा में गई हुई थी। पीछे से उसकी 16 वर्षीया बेटी घर पर अकेली थी। दोपहर करीब 12 बजे बेटी घर का काम कर रही थी, तभी गांव का ही एक युवक उसे अकेला पाकर घर में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता के चिल्लाने पर पड़ोस में मौजूद उसकी मां और मौसी मौके पर पहुंची, जिन्हें देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी रामगिलास गुर्जर ने बताया कि मामले का अनुसंधान करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया है। जिसे अब कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पूर्व पार्षद के बेटे के मुंह में डाली पिस्टल

बर्थ-डे मनाने गया था, सिर पर कट्टा रख धमकाया- भरतपुर में रहना है तो रंगदारी देनी होगी

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। भरतपुर में युवक से रंगदारी मांगने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने पूर्व पार्षद अमर सिंह के बेटे सु?मित के मुंह में पिस्टल डाल उसे धमकाया था। साथ ही शहर के मथुरा गेट थाने से 100 मीटर दूरी पर इन्होंने फायरिंग भी कर दी थी। मामला 14 फरवरी का है। पुलिस ने इस मामले में तीन बदमाशों अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा को सोमवार शाम को गिरफ्तार किया।

तीनों ने बदमाशों ने 14 फरवरी को सारस चौराहे पर बर्थ-डे सेलिब्रेट कर रहे सुमित और उसके दोस्तों के साथ मारपीट की थी। साथ ही धमकाया था- भरतपुर में रहना है तो फिरौती देनी होगी।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के दौरान हथियार लेकर पहुंचे बदमाश

सुमित शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र के गोपालगढ़ इलाके में रहता है। पूर्व निर्दलीय नगर निगम पार्षद अमर सिंह ने बताया कि उनका बेटा सुमित शहर में पार्किंग के ठेके लेने काम काम है। बदमाशों की धमकी और फायरिंग के बाद मथुरा गेट थाने में 15 फरवरी को शिकायत दी थी। रिपोर्ट में सुमित ने बातया- 14 फरवरी को उसका बर्थ-डे था। वह अपने दोस्तों के साथ सारस चौराहे स्थित सन स्टार होटल में बर्थ-डे सेलिब्रेट कर रहा था। तभी वहां नशे में धुत्त तीन बदमाश अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी, कौशल शर्मा आये। अज्जू ठाकुर और जीतू सहजवानी के पास हथियार थे। यहां किसी बात को लेकर इनके बीच बहसबाजी शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि अज्जू और उसके साथियों ने सुमित के मुंह में पिस्टल डाल दी और रंगीदारी के लिए धमकाया। इस दौरान जीतू सहजवानी ने कट्टा निकाल सुमित के माथे पर रख दिया। फिर कहा- तुझे गोली मार दें या तू पैसे देगा।

धमकी के बाद सुमित के दोस्तों के साथ मारपीट की

होटल में जब विवाद बढ़ने लगा तो सुमित के दोस्त उसे छुड़वाने के लिए आए। अज्जू और जीतू सहजवानी ने बीच-बचाव करने आए सुमित के दोस्तों के साथ मारपीट की और फरार हो गए। इस घटना के बाद जब सुमित मथुरा गेट थाने में एफआईआर करवाने जा रहा था तो थाने से 100 मीटर दूरी पर ही बदमाशों ने उसे पकड़ लिया। यहां उसके साथ मारपीट की। जैसे ही सुमित इनसे बचकर भागा तो बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। हालांकि जैसे-तैसे वह वहां से बच निकला। अगले दिन 15 फरवरी को वह थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। सीओ पंकज यादव

ने बताया कि अज्जू ठाकुर और उसके साथियों ने सुमित को धमकी दी थी। सुमित पर पिस्टल तान बिजली घर चौराहे के पास फायरिंग भी की थी। शिकायत पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल को गिरफ्तार कर लिया। आगे की कार्रवाई जारी है। तीनों से एक पिस्टल और 5 कारतूस बरामद किए गए है।

जिले में लगातार पानी की किल्लत, प्रशासन की उदासीनता - दिनेश सूपा

अधिकारियों तथा रसूखदारों के यहां सरकारी स्तर पर भिजवाये जा रहे है पानी के टैंकर, आम आदमी को पानी के लिए पड़ रहा है तरसना

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। जिले में पिछले 10 दिनों से चल रही पानी की किल्लत को लेकर जिले भर के कांग्रेसियों ने प्रशासन के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने जिले में पानी की किल्लत को लेकर लगातार मच रहे पब्लिक के हाहाकार को लेकर कहा कि इस समय विवाह शादियों का सीजन है तथा नलों में पानी न आने की वजह से पीने के पानी लाने के लिए भी लोगों को दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है। ऐसे समय में निजी पानी के टैंकर वाले 1500 से 2000 तक प्रति टैंकर वसूल रहे हैं, जोकि गरीब आदमी के लिए

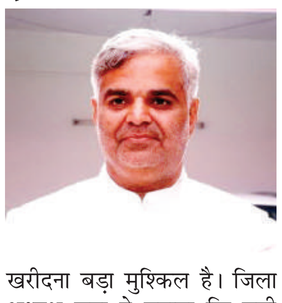

खरीदना बड़ा मुश्किल है। जिला अध्यक्ष सूपा ने बताया कि बड़ी आश्चर्यजनक एवं शर्मनाक बात है कि सुशासन का दावा करने वाली भाजपा सरकार में जिले के अधिकारियों तथा रसूखदारों के यहां सरकारी स्तर पर पानी के टैंकर भिजवाए जा रहे हैं एवं आम आदमी को बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। गौरतलब है कि आम आदमी वाटर वर्क्स के अधिकारी एवं कर्मचारियों को फोन करते हैं तो या तो वह फोन रिसीव नहीं कर रहे हैं या कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों ने बड़ा अफसोस एवं रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जलदाय विभाग के अधिकारी रोजाना लगभग 100 पानी के टैंकर जिले के बड़े अधिकारियों एवं सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के घरों पर भिजवा रहे हैं जो की भाजपा सरकार की दोहरी चाल का जीता जागता उदाहरण है। डीसीसी चीफदिनेश सूपा ने जिला कलेक्टर से लगातार चल रही पानी की किल्लत की उच्च स्तरीय पारदर्शिता पूर्ण जांच कराने के लिए एक कमेटी बनाने की मांग की है तथा दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की है।

आक्रोश व्यक्त करने वालों में चुन्नी कप्तान, योगेश सिंघल,मनोज पटेल, दयाचंद पचौरी, बबीता शर्मा, रोहित चौधरी, हरिमोहन शर्मा, विजेन्द्र चीमा,दीनदयाल जाटव, मुकेश जाटव, रामेश्वर सैनी, चंद्रकांत शर्मा, नदीम मलिक, राजेश वाल्मीकि, दीपेंद्र बुरावई, लोकपाल सिंह,रमेश धावई, मनोज शर्मा, निरंजन जघीना, सुभाष कुंतल, संजीव चौधरी,ब। अतुल मित्तल, राकेश पठानीया, सतपाल सरदार,शहीद खान, सुगड़ खेरा,राजू प्रधान, अशोक तांबी, अभिषेक जैन,महेश मीणा, रेनू गौरावर, श्रीमती अकलेश, चंद्रभान फौजदार आदि शामिल थे।

रक्तदान महापुण्य का कार्य - सिंघल

सर्व समाज महासभा के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल ने किया रक्तदान

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। 293वें भरतपुर स्थापना दिवस के अवसर पर व्यापार मंडल द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में सर्व समाज महासभा के जिला अध्यक्ष एवं युवा अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल ने रक्तदान कर प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि वे इससे पहले भी 12 बार रक्तदान कर चुके हैं। इस अवसर पर सर्व समाज महासभा के संगठन मंत्री देवेंद्र भारद्वाज एवं युवा अग्रवाल महासभा के उपाध्यक्ष राहुल बंसल ने भी रक्तदान कर सेवा भावना का परिचय दिया। ओमप्रकाश सिंघल ने कहा कि रक्तदान महापुण्य का कार्य है। रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता, यह केवल मानव शरीर में ही बनता है, इसलिए समय-समय पर रक्तदान कर हम अनेक लोगों का जीवन बचा सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। साथ ही इस पुण्य कार्य के सफल आयोजन के लिए व्यापार मंडल एवं समस्त आयोजनकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साधुवाद दिया।

किसान सम्मेलन होगा आज हलैना में

रामजीलाल सुमन पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद राज्यसभा और गुरुनाम सिंह चढ़ूनी आयेगे

ईआरसीपी रोजगार और किसान मुद्दों पर होगी बात

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को जल्दी पूरा करने तथा बाणगंगा नदी में पानी लाने बढ़ती बेरोजगारी के लिये जिले में रोजगार के अवसर पैदा करने तथा फसलो के लाभकारी मूल्य देने सहित कृर्षि पशुपालन और किसानों की सभी समस्याओं को लेकर भरतपुर जिले के कस्वा हलैना में 18 फरवरी को होगा एक दिवसीय किसान सम्मेलन आयोजित होगा।

किसान सम्मेलन के संयोजक और किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने बताया कि आज हलैना में होने बाले किसान सम्मेलन में पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा सांसद राज्य सभा रामजीलाल सुमन और भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरुनाम सिंह चढ़ूनी तथा समाजवादी विचारक, शताब्दी पुरुष पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन सहित अन्य कई किसान नेता भाग लेगे। कार्यक्रम की तैयरियों को लेकर किसान नेता इन्दल सिंह जाट श् अलवर के किसान नेता विरेन्द्र मोर और डीग के किसान नेता मोहन सिंह ने लिया सम्मेलन की तैयारियों का जायजा।

किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने बताया कि किसान सम्मेलन कल 18 फरवरी 2026 को कस्वा हलैना के स्वार्गीय गिरराज सिंह निड़र पार्क में प्रात: 10 बजे आरम्भ होगा ।

जनगणना की तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क : एसडीएम गंगाधार मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

वैर(सन्तोष पण्डित)। जनगणना कार्य की तैयारियों के संबंध में उपखंड अधिकारी वैर गंगाधार मीणा की अध्यक्षता में उपखंड कार्यालय परिसर में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनगणना ब्लॉक बनाए जाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए प्रशिक्षु आईएएस) भानू शर्मा तहसीलदार वैर, मनोज भारद्वाज नायब तहसीलदार हलैना, सहायक जनगणना प्रभारी रामकृपाल, पटवार संघ अध्यक्ष प्रमोद गुर्जर, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेन्द्र चौधरी सहित समस्त पटवारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने भाग लिया।

उपखंड अधिकारी ने निर्देशित किया कि जनगणना ब्लॉकों का निर्धारण शासन की गाइडलाइन के अनुसार सावधानीपूर्वक किया जाए, ताकि आगामी जनगणना कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें सभी संबंधित कार्मिक पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएं। बैठक में ब्लॉक सीमांकन, अभिलेख सत्यापन एवं जमीनी स्तर पर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए है।

पूंछरी का लौठा क्षेत्र का होगा कायाकल्प, इंफ्रास्ट्रक्चर-रोड और धार्मिक पर्यटन पर फोकस

बजट में सड़कों के विकास की घोषणाएं

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। धार्मिक स्थल पूंछरी का लौठा का कायाकल्प होगा। यह इलाका अब धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में देशभर में जाना जाएगा।

देशभर के बड़े उद्योगपति पूंछरी के लौठा के विकास में निवेश करेंगे। यह निवेश रेस्ट्रोरेंट, पर्यटक सुविधा और स्थानीय समुदायों के विकास पर आधारति होगा। पूंछरी के लौठा में विकास होने से श्रद्धालु वहां पहुंचेगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

गोवर्धन से जोड़ने वाली सड़कें होंगी ठीक

हाल में पास हुए बजट के दौरान डीग जिले में इंफ्रास्ट्रक्र, रोड और पर्यटन के विकास पर जोर दिया था। 1,800 करोड़ रुपये शहरी सड़कों के लिए और 500 करोड़ सड़क विकास के लिए आवंटित किए गए हैं। गोवर्धन परिक्रमा जैसे हेरिटेज स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा गया है।

21 किलोमीटर की परिक्रमा का रास्ता होगा ठीक

देश के बड़े उद्योगपति पूंछरी का लौठा सहित उत्तर प्रदेश के गोवर्धन इलाके में इन्वेस्ट करेंगे। इससे गोवर्धन की 21 किलोमीटर की परिक्रमा का रास्ता ठीक किया जाएगा। इससे परिक्रमा लगाने वाले श्रद्धालुओं को काफी आसानी होगी।

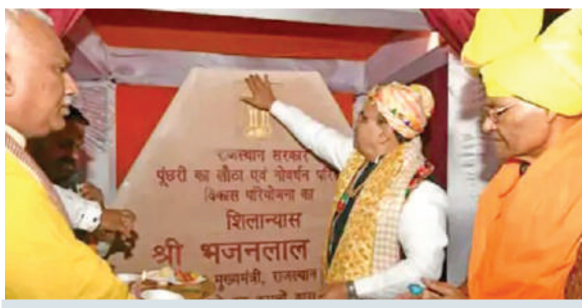

मान्यता- पहाड़ियों पर हैं भगवान श्रीकृष्ण के पदचिन्ह

पूंछरी का लौठा और गोवर्धन से भगवान कृष्ण का गहरा नाता रहा है। आज भी यहां भगवान श्री कृष्ण और गोपियों की कथाएं सुनाई जाती हैं। इसके अलावा मान्यता है कि डीग जिले की पहाड़ियों पर भगवान श्रीकृष्ण के पदचिन्ह हैं।

स्वास्थ्य मंदिर पर अब प्रतिदिन होगा वंदे मातरम व राष्ट्रगान

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। स्वास्थ्य मंदिर पर गरीब बच्चों के लिए चल रहे खिलता बचपन संवरता जीवन प्रकल्प में अब वंदे मातरम व राष्ट्रगान प्रतिदिन गाया जाएगा। प्रकल्प प्रभारी प्रिंसिपल शिल्पी चौधरी ने बताया कि अब बच्चों को प्रतिदिन 3 मिनट 10 सेकंड का वंदे मातरम जिसमे सभी अध्याय करवाये जायेगें व उसके पश्चात राष्ट्र गान भी कराया जाएगा। संविधान की नई नियमावली के तहत स्वास्थ्य मंदिर के अध्यक्ष द्वारा यह निर्णय लिया गया है स्वास्थ्य मंदिर के अध्यक्ष प्रवीन गुप्ता ने कहा कि बच्चों में राष्ट्र के प्रति नई जानकारी आएगी तथा राष्ट्र प्रेम जागेगा। स्वास्थ्य मंदिर द्वारा बाल्मीकि बस्ती एवं स्वास्थ्य मंदिर आश्रम पर चल रहे प्रकल्पों में भी प्रतिदिन राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रगीत शुरू कर दिया गया है।

प्रोस्टेट मुख्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ हार्मोनल बदलावों के कारण होती है : डॉ. अखिलेश श्रीवास्तव

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। प्रोस्टेट बढ़ना मुख्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ हार्मोनल बदलावों के कारण होता है, जो आमतौर पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों में आम है। बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया कहते हैं, जो कैंसर नहीं है, लेकिन मूत्राशय पर दबाव डालकर पेशाब संबंधी समस्याएं पैदा करता है। उक्त जानकारी कृष्णा नगर स्थित एस.एस.हॉस्पीटल के निदेशक एवं पूर्व प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं वरिष्ठ सर्जन डा0 अखिलेश श्रीवास्तव ने इस पत्रकार को दी।

प्रोस्टेट बढ़ने के मुख्य कारण -

डा0 श्रीवास्तव ने बताया उम्र बढ़ना 50-60 की उम्र के बाद प्रोस्टेट का आकार स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगता है, जो एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। हार्मोनल परिवर्तन टेस्टोस्टेरोन और अन्य यौन हार्मोन के संतुलन में बदलाव प्रोस्टेट कोशिकाओं को बढ़ने

के लिए प्रेरित कर सकता है। डीएचटी प्रोस्टेट कोशिकाओं के विकास में एक पुरुष हार्मोन डीएचटी की भूमिका मानी जाती है, जिसका स्तर वृद्ध पुरुषों में अधिक हो सकता है।

प्रमुख लक्षण

- बार-बार पेशाब आना विशेषकर रात में, पेशाब की धार कमजोर होना या रुक-रुक कर आना, पेशाब शुरू करने में कठिनाई या पेट खाली न होने का अहसास।

डा0 अखिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रोस्टेट बढ़ना और प्रोस्टेट कैंसर दोनों अलग-अलग हैं। बढ़े हुए प्रोस्टेट में कोशिकाएं कैंसरयुक्त नहीं होती हैं।

बढ़ा हुआ प्रोस्टेट -

प्रोस्टेट क्यों बढ़ता है? सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया, या बीपीएच, प्रोस्टेट ग्रंथि के बढ़ने से जुड़ी एक स्थिति है। पुरुषों में जैसे-जैसे पुरुष की उम्र बढ़ती है, प्रोस्टेट ग्रंथि का आकार आमतौर पर बीपीएच नामक प्रक्रिया में बढ़ता जाता है, जिसका अर्थ है कि यह ग्रंथि कैंसरग्रस्त हुए बिना बढना।

प्रोस्टेट ग्रंथि क्या होती है प्रोस्टेट एक छोटी सी ग्रंथि होती है, जो सिर्फ पुरुषों में पाई जाती है। यह मूत्राशय (ब्लैडर) के ठीक नीचे और मूत्रमार्ग प्रोस्टेट है।

प्रोस्टेट बढ़ने के लक्षण, कारण, उपचार और परहेज

डा0 श्रीवास्तव ने बताया कि प्रोस्टेट ग्रंथि जिसे पौरुष भी कहा जाता है, पुरुष के प्रजनन तंत्र का अहम हिस्सा है। प्रोस्टेट ग्रंथि का आकार तब बढ़ता है जब इसकी कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती है।

बढ़ा हुआ प्रोस्टेट एक चिंता का विषय क्यों है? - मेफेयर डायग्नोस्टिक्स

आमतौर पर बढ़ा हुआ प्रोस्टेट कोई गंभीर समस्या नहीं है यह पुरुषों की उम्र बढ़ने के साथ यह बहुत आम है। लेकिन, 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के 50 प्रतिशत से अधिक पुरुषों को होता है।

चौधरी और यादव डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित!

स्काउटिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान सहित अनेक गतिविधियों के लिए मिला सम्मान

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र से राजस्थान भारत स्काउट/गाइड के स्थानीय संघ के सहायक लीडर ट्रेनर राजेन्द्र सिंह चौधरी व कृष्ण कुमार यादव को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह उपाधि हिमालय वुड बैचधारी को ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी चेन्नई स्थित भारतीय विद्या भवन के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में दी गई। उक्त दोनों को यानी राजेन्द्र सिंह चौधरी व कृष्ण कुमार यादव को स्काउटिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान,युवा सशक्तिकरण नेतृत्व विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है।डॉ चौधरी और डॉ यादव ने बताया कि हम इसका श्रेय नेशनल कमिश्नर एडल्ट रिसोर्स नई दिल्ली के डॉ के. सुकुमार के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मिला है। हम दोनों डॉ सुकुमार का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।बानसूर आगमन पर स्थानीय राजस्थान भारत स्काउट एवं गाइड संघ के पदाधिकारियों द्वारा डॉ चौधरी व डॉ यादव का माला साफा पहनाकर भव्य सम्मान किया गया और उनका मुँह मीठा कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की!यह जानकारी हमें एसएमएस निजी विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राजकुमार शर्मा द्वारा भेजे गए प्रेस नोट से प्राप्त हुई। राजकुमार शर्मा ने अलवर के सीओ स्काउट राजेन्द्र मीणा व गाइड सीओ विजय लक्ष्मी द्वारा भेजे गए प्रेस नोट द्वारा प्राप्त हुई।

वन मंत्री संजय शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

बढ़ता राजस्थान

अलवर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा अलवर की ओर से मनाया गया वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा का जन्मदिवस बड़ी धूमधाम से

मंगलवार को राजस्थान सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री माननीय संजय शर्मा का 57 वा जन्मदिवस अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा अलवर के बैनर तले हरियाणा ब्राह्मण समाज की ओर से बड़ी धूमधाम से मनाया गया, इस अवसर पर प्रात 8:00 बजे बुध विहार स्थित नंदी गोशाला में समाज बंधुओ द्वारा गोवंशों को हरा चारा खिलाया गया एवं इसके बाद सांय 6:30 बजे श्री त्रिपोलिया महादेव मंदिर में भगवान महादेव की महाआरती का आयोजन किया गया महाआरती पश्चात ही 121 किलो केसर युक्त दूध का भोग लगाकर आमजन में प्रसाद का वितरण किया गया.इस अवसर पर माननीय मंत्री महोदय के पुत्र निकुंज शर्मा अध्यक्ष मनोज शर्मा मंत्री जय किशन शर्मा उप मंत्री नरेश कुमार शर्मा कोषाध्यक्ष रामअवतार शर्मा उमाशंकर शर्मा जितेन्द्र शर्मा पुरुषोत्तम शर्मा कैलाश चंद शर्मा राजेश शर्मा नरेंद्र शर्मा नरेश शर्मा गंगा सहाय शर्मा गिर्राज प्रसाद गावड़ी कैलाश शर्मा महेश शर्मा बलराम शर्मा सुरेश शर्मा राजू शर्मा सुनील शर्मा अंजू शर्मा संतोष शर्मा विशाल शर्मा राजेंद्र शर्मा सुरेंद्र शर्मा सुनील ओजट राकेश शर्मा विद्याधर शर्मा ललित शर्मा महेश बबलू हरिओम शर्मा आदि अनेक समाज बंधु सहित भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र राठौर महेश निहालवाणी रवि यादव दिनेश गुप्ता घनश्याम गुप्ता उपस्थित रहे, इस अवसर पर उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने माननीय संजय शर्मा के स्वस्थ व दीर्घायु जीवन के लिए भगवान महादेव से मनोकामना मांगी।

अंकतालिका डाउनलोड करने के लिए राज ई-वॉल्ट का उपयोग करें विद्यार्थी

बढ़ता राजस्थान

अजमेर(मोहित जैन)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों को अंकतालिका डाउनलोड करने के लिए राज ई-वॉल्ट का उपयोग करने की सलाह दी है। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि विद्यार्थी पुराने तरीके से मार्कशीट डाउन लोड कर रहे है जबकि डीजी लॉकर में उपलब्ध राज ई-वॉल्ट (Raj eVault) सर्विस के अन्तर्गत विद्यार्थियों का डेटा अपडेटेड उपलब्ध है। डी.जी. लॉकर पर डेटा अद्यतन की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह व्यवस्था की गई है। अतः विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12 वीं की परीक्षा वर्ष 2015 से वर्ष 2025 तक के प्रमाण पत्र डी.जी लॉकर में उपलब्ध राज ई-वॉल्ट सर्विस से प्राप्त कर सकते है। प्रमाण पत्र डाउनलोड करने की प्रकिया डी.जी. लॉकर पर लॉगईन कर सर्च डॉक्यूमेंट में राज ई-वॉल्ट सर्च कर, उपलब्ध राज ई-वॉल्ट ऑपशन में कक्षा, नाम, रोल नम्बर, परीक्षा वर्ष भरें और गेट-डॉक्यूमेंट पर क्लिक कर डाक्यूमेंट डाउनलोड कर सकते है।

खनिज का अवैध खनन एवं निर्गमन करने पर की कार्रवाई

नवम्बर 2025 से अब तक 11 प्रकरणों में करीब 12 लाख रूपये की वसूली गई राशि

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़(अलवर)। खनि अभियन्ता मनोज शर्मा ने बताया कि खान एवं पुलिस विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा आज अवैध खनन एवं निर्गमन की रोकथाम हेतु ग्राम जटियाना, भटेसरा, सताना, बिलन्दी, गुरू गोठडी, राजगढ़ इत्यादि स्थानों पर अवैध खनन के संवेदनशील क्षेत्रों में आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान खनिज बजरी का एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त कर पुलिस थाना राजगढ तथा खनिज मैसेनरी स्टोन के अवैध खनन में लिप्त एक ट्रैक्टर ट्रॉली जहूर खान निवासी जटियाना से जब्त कर पुलिस थाना विजय मंदिर को सुपुर्द किया।

बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया को देवें गति- जिला कलक्टर

जिला कलक्टर ने ली बजट घोषणाओं 2026-27 के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक

बढ़ता राजस्थान

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं 2026-27 के समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में संबधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने बजट 2026-27 में जिले के लिए हुई घोषणाओं की विभागवार समीक्षा कर निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए विभागीय अधिकारी भूमि की आवश्यकता वाली घोषणाओं के लिए सात दिवस में भूमि आवंटन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें, जिससे आमजन की सुविधाओं के दृष्टिगत बजट घोषणाओं को यथाशीघ्र धरातल पर मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने उद्यान विभाग के उपनिदेशक को निर्देश दिये कि ब्याज एवं सब्जी के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु गाइडलाइन अनुसार आवश्यक भूमि के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही सुनिश्चित करावें।

उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि राजगढ़ शहर में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण कार्य के संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारम्भ करावे।

जिला कलक्टर ने सरस डेयरी के महाप्रबंधक को निर्देशित किया कि 200 करोड रुपए की लागत के × लाख लीटर प्रति दिन क्षमता के दूध प्लांट के लिए आवश्यक प्रक्रिया को यथासमय पूर्ण करावें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि अलवर शहर के अम्बेडकर नगर, कठूमर के खोह एवं रामगढ के नंगली मेघा में ××/11 केवी के जीएसएस के लिए भूमि के आवंटन के संबंध में आवंटन प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि कुशालगढ़ तिराहे से थैंक्यू बोर्ड वाया भर्तृहरि सडक तक व नौगांवा से नसवारी चौकी तक की सडक निर्माण हेतु सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलवर जिले के लिए की गई बजट घोषणाओं के साथ-साथ ऐसी बजट घोषणाएं जो सम्पूर्ण रा'य के लिए है, उन घोषणाओं को भी मूर्त रूप देने हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय योगेश डागुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ताभूरी सिंह, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता आर.डी बंसल, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, कृषि विभाग के संयुक्तनिदेशक पी.सी मीणा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश चंद मीणा, उद्यान विभाग के उप निदेशक के.एल मीणा, सीडीईओ महेश गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीलर्स एसोशियशन की बैठक में हुआ चुनाव, हुआ नवीन कार्यकारिणी का गठन

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र की बानसूर नगर पालिका क्षेत्र के डीलर्स एसोसिएशन के व्यापारियों की एक अहम बैठक हुई। बैठक में डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद सहित अन्य व्यापारिक मण्डलों के चुनाव पर गहन मंत्रणा हुई। जिसमें डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर मुकेशसिंह शेखावत को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया। तो वस्त्र व्यापार यूनियन में दिनेश सिंघल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। वहीं डीलर्स एसोसियसन के अध्यक्ष के पद पर नियुक्त मुकेश सिंह शेखावत ने कहा कि व्यापार मण्डल में नियुक्त सभी सदस्य सम्मानीय हैं और रहेंगे!उन्होंने कहा कि वह नहीं जो समझा जाता है। वह नजर नहीं आता!

वहीं व्यापार मण्डल अध्यक्ष के माननीय मुकेशसिंह शेखावत ने कहा कि उपाध्यक्ष पद पर अनील सिंघल,कोषाध्यक्ष पद पर लक्ष्मण गुप्ता, संगठन मंत्री सुदेश अग्रवाल सचिव अविनाश गोयल, को मनोनीत किया गया गया है।वहीं वस्त्र व्यापार मण्डल यूनियन के वस्त्र व्यापारी, कार्यकारिणी के सर्वसहमति से चुनाव वस्त्र व्यापार मण्डल के अध्यक्ष पद पर सिंघल को चुना गया है।

वहीं व्यापार मण्डल के विभन्न संगठनों में हुए चुनावों में व्यापार मण्डल के अध्यक्ष एवं संगठन द्वारा की गई कार्यकारिणी का विस्तार इस प्रकार है!अध्यक्ष पद पर दिनेश सिंघल, उपाध्यक्ष पद पर महेश छीलवाल, कोषाध्यक्ष पद पर सुनील अग्रवाल, सचिव पद पर सतीश अग्रवाल, प्रचार मंत्री पद पर दिनेश अग्रवाल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है!वहीं लक्ष्मण गुप्ता, सुदेश अग्रवाल, अवनीश गोयल, दिनेश अग्रवाल सहित काफ़ी संख्या में व्यापार मण्डल के सदस्य मौजूद रहे।

अनावड़ा में कल होगा आदिवासी मीणा समाज के 19 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ (अलवर)। उपखंड क्षेत्र के गांव अनावड़ा में 19 फरवरी 2026 को फुलेरा दूज के शुभ अवसर पर आदिवासी मीणा समाज के 19 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन आदिवासी मीणा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के तत्वावधान में संत बाबा रामदेव आश्रम के पास तैयार किए गए विशाल सम्मेलन स्थल पर संपन्न होगा।

सम्मेलन समिति के संयोजक इंजीनियर रामगोपाल मीणा ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राजगढ़ परिक्षेत्र में आयोजित हो रहे मीणा समाज के इस प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर स्थानीय ग्रामवासियों और आसपास के गांवों में उत्साह का माहौल है। समिति के कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में वैवाहिक जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्री, विधायक, सांसद सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि तथा समाज के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे।

समिति पदाधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह आयोजनों से समाज में व्याप्त कुरीतियों और फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी तथा सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलेगा। सम्मेलन को लेकर पूरे क्षेत्र में व्यापक तैयारियां और उत्साह देखा जा रहा है।

हाईकोर्ट चीफ जस्टिस का औचक निरीक्षण , नदारद मिले 8 जज एपीओ

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर । हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने अधीनस्थ न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान नदारद मिले 8 जजों पर प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए इन्हें एपीओ कर दिया गया है ।

दरअसल राजस्थान हाई कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली जिस कारण से सुरक्षा एजेंसियां तलाशी में जुटी रही।हाईकोर्ट प्रशासन को मंगलवार सुबह एक ईमेल मिला था , जिसमें परिसर में बम होने की धमकी दी गई थी । सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को खाली कराया गया जिसके कारण सुबह कामकाज प्रभावित रहा और डिस्प्ले बोर्ड पर भी सूचना जारी की गई थी। इस बीच कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा हाईकोर्ट हेरिटेज बिल्डिंग परिसर की कार्यवाही बीच पहुंच गए । उन्होंने वहां स्थित विभिन्न जिला , महानगर और अन्य अधीनस्थ न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया ।

इस दौरान कई कोर्ट रूम खाली पाए गए और कई न्यायिक अधिकारी नदारद मिले । अनुशासन और समयबद्धता को लेकर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने इस लापरवाही को गंभीरता से लिया और 8 न्यायिक अधिकारियों को एपीओ कर दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट रजिस्ट्रार जनरल चंचल मिश्रा की ओर से आदेश जारी कर 8 न्यायिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से ' पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा ' में रख दिया गया । इनमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश (जोधपुर महानगर अजय शर्मा , विशेष न्यायालय (अपर पॉक्सो एक्ट केस संख्या 1 (जोधपुर महानगर) की जज मनीषा चौधरी , अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 2 , जोधपुर महानगर मनीषा शर्मा , जिला एवं सत्र न्यायाधीश , जोधपुर जिला नेहा शर्मा , सीनियर सिविल जज एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट , जोधपुर जिला करुणा शर्मा , अपर सीनियर सिविल जज एवं एसीजेएम संख्या 2 , जोधपुर महानगर प्रवीण चौधरी , अपर सीनियर सिविल जज एवं एसीजेएम संख्या 9 , जोधपुर महानगर सीमा सांडू और अपर सीनियर सिविल जज एवं एसीजेएम संख्या 7 , जोधपुर महानगर मनोज जीनगर के नाम शामिल हैं । एपीओ किए गए इन अधिकारियों में से अजय शर्मा को राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में अपनी उपस्थिति देने को कहा गया है । वही अन्य सात जजेज को जिला व सत्र न्यायालय मुख्यालय पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

अनीमिया की दर को कम करने हेतु आयोजित हुआ शक्ति दिवस

बढ़ता राजस्थान

टोंक(पुरूषोतम जोशी) । अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शक्ति दिवस आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों, किशोर-किषोरियो, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर को कम करने हेतु जिलें में माह के प्रत्येक मंगलवार को 'शक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्रो, उप स्वास्थ्य केन्द्रो, पीएचसी, सीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानो पर शक्ति दिवस आयोजित किया गया।

इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियत्रण हेतु स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. चौधरी ने बताया कि उक्त दिवस पर अनीमिया से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें अनीमिया की स्क्रिनिंग, जांच, उपचार तथा अनीमिया के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

गर्भवती महिलाओं को परामर्श के साथ पांच वर्ष तक के बच्चों को लगाए टीके

अर्बन पीएचसी ने लगाया शहर के चेतन नगर काली माता क्षेत्र में शिविर

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी । शहर की कच्ची बस्तियों और आउटरीच एरिया में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अब स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (अर्बन पीएचसी) द्वारा शहर के चेतन नगर में काली माई मंदिर के पास आज शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण,0 से 05 वर्ष आयु के छोटे बच्चों का टीकाकरण करने के साथ मौसमी बीमारियां के रोगियों को परामर्श दिया गया वही बीपी,शुगर पेशेंट की जांच की गई साथ में एमसीडी जांच भी हुई। शिविर के दौरान करीब 5 दर्जन लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर का आयोजन पीएचसी प्रभारी डॉ घनश्याम कुशवाहा के नेतृत्व में किया गया।

डॉ घनश्याम कुशवाहा ने बताया कि अर्बन पीएचसी द्वारा शहर के उन स्थानों पर यह शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जो शहर के सामान्य अस्पताल या अर्बन पीएचसी से काफी दूरी पर है और वहां के रोगी अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे में शिविर का आयोजन आज चेतन नगर कालीबाई मंदिर पर किया गया है। इस शिविर में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच हुई है और टीकाकरण के साथ उनका कार्ड बनाया गया। शिविर के माध्यम से प्रयास यही हैं कि हर आम और खास तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सके। शिविर में नर्सिंग ऑफिसर सीमा बघेल,एएनएम सीमा कोली, हेल्पिंग स्टाफ हारुण खां,रजनी आदि मौजूद रहे। वहीं शहर के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र चंगवरिया पाड़ा में कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें छोटे बच्चों का टीकाकरण किया गया। इस दौरान केंद्र से जुड़ी महिलाओं के छोटे बच्चों को टीके लगाए गए।

हिमंता बोले-2014 में सोनिया मुझे सीएम बनाने को तैयार थीं

राहुल ने नेताओं को फोन कर हालात बदल दिए, लेकिन जो होता है अच्छा होता है

गुवाहाटी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि 2014 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुझसे मुख्यमंत्री बनने की पेशकश की थी। कहा था कि मैं शपथ लेने की तारीख तय करूं। उस वक्त कांग्रेस के 58 विधायक मेरे समर्थन में थे। सरमा ने पत्रकारों को बताया, 'मैंने उनसे (सोनिया) कहा था कि वे जून 2014 में कामाख्या मंदिर में होने वाले अंबुबाची मेले के अगले दिन शपथ लेंगे। लेकिन उस समय अमेरिका में मौजूद राहुल ने पार्टी नेताओं को फोन किए और हालात बदल गए।'

सरमा ने 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। 2021 में असम के मुख्यमंत्री बने।

मुख्यमंत्री ने कहा- तब सीएम बन जाता तो शायद छवि खराब हो जाती

भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में मुझे असम और सनातन धर्म की सेवा करने का अवसर मिला, जो कांग्रेस में रहकर संभव नहीं था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इसके लिए वे राहुल गांधी को धन्यवाद देते हैं। जब मल्लिकार्जुन खड़गे असम आए थे, तब 58 कांग्रेस विधायक उनके समर्थन में थे। कुछ नेता तटस्थ थे और केवल 12 विधायक चाहते थे कि तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ही बने रहें। मुझे न्याय नहीं मिला, लेकिन खड़गे उनके विरोधियों से कहते थे कि हिमंत से लड़िए, लेकिन विधायक मेरे साथ थे। अगर मैं उस समय मुख्यमंत्री बन जाता तो शायद मेरी छवि खराब हो जाती। इन बातों के कई गवाह हैं और वे भविष्य में अगर किताब लिखेंगे तो विस्तार से बताएंगे। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तान से संबंध हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे और भी नेता इस मुद्दे पर बोलेंगे। 2012 में ही तय कर लिया था कि वे बाहर से थोपे गए नेताओं के सामने नहीं झुकेंगे। उस समय मंत्रियों को गौरव गोगोई की बैठकों में जाने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। कांग्रेस का माहौल ऐसा है कि साधारण परिवारों के लोग वहां टिक नहीं पाते। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा से आज (मंगलवार) को मुलाकात की है। बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे।

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भाजपा जॉइन करेंगे

22 फरवरी को सदस्यता, सीएम हिमंत ने मुलाकात की

बढ़ता राजस्थान

गुवाहाटी। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के भाजपा जॉइन करने की अटकलों पर आखिरकार मुहर लग गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार शाम बोरा के घर जाकर उनसे मुलाकात की। इसके बाद सीएम ने बोरा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि वे 22 फरवरी को पार्टी की सदस्यता लेंगे। बोरा ने एक दिन पहले कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के को अपना इस्तीफा पत्र सौंपा। बोरा ने अपने इस्तीफे में लिखा था कि उन्हें पार्टी नेतृत्व की ओर से नजरअंदाज किया जा रहा है। हालांकि, उनके इस्तीफे को लेकर आज पूरे दिन असमंजस की स्थिति रही। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी इंचार्ज जितेंद्र सिंह ने कल कहा था कि बोरा ने इस्तीफा वापस ले लिया है। जितेंद्र सिंह ने कहा था कि राहुल गांधी ने बोरा से 15 मिनट बात की है। भूपेन बोरा ने कहा था कि वे इस्तीफे पर मंगलवार को अंतिम निर्णय लेंगे। बोरा ने कहा- 32 साल बाद मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया है। अब समय लेकर सोचने की आवश्यकता है। कई वरिष्ठ नेताओं और साथी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुझसे सभी पहलुओं पर विचार करने को कहा है।

हिमंत बोले- बोरा की तरह मैंने भी दर्द सहा

हिमंत ने बोरा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा में शामिल होने से भोरा सच्ची छवि बनेगी। भूपेन बोरा के साथ गुवाहाटी और उत्तरी लखीमपुर में कांग्रेस के कई नेता 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। हिमंत ने कहा- कांग्रेस अब असमिया लोगों की पार्टी नहीं रही। पार्टी चुनाव जीतने के लिए संघर्ष नहीं कर रही है। कोई भी सच्चा कांग्रेसी इस बात से दुखी होगा। मैंने भी यही दर्द सहा है। जब मैं भाजपा में शामिल होने गया था, तब मुझे भी ऐसे फोन आते थे। ये लोग सामंतों की तरह जीते हैं। उन्हें लगता है कि एक फोन करने से फैसला बदल जाएगा।

विराट-अनुष्का वृंदावन पहुंचे, प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया

भक्तों के साथ हाथ-जोड़कर बैठे रहे; एक घंटे तक सत्संग सुना

बढ़ता राजस्थान

मथुरा (एजेंसी)। क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ मंगलवार सुबह 6 बजे प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। एक घंटे तक प्रेमानंद महाराज का सत्संग सुना। इस दौरान दोनों हाथ जोड़कर बैठे रहे। सत्संग सुनने के बाद प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। हालांकि, इस दौरान बेटी वामिका साथ नहीं थी।

विराट-अनुष्का सोमवार शाम को दिल्ली से वृंदावन पहुंचे थे। यहां एक होटल में स्टे किया। फिर मंगलवार सुबह प्रेमानंद जी के केली कुंज आश्रम पहुंचे। आश्रम से जुड़े लोगों के अनुसार, वे तय समय से पहले ही पहुंच गए थे और भक्तों के साथ सत्संग में शामिल हुए। दर्शन और सत्संग के बाद दोनों दिल्ली लौट गए।

वापसी के दौरान आश्रम के बाहर उनकी गाड़ी ट्रैफिक जाम में फंस गई। विराट के मौजूद होने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंच गए। मौके पर मौजूद पुलिसवालों ने भीड़ को कंट्रोल कर लगभग 15 मिनट में रास्ता साफ कराया, तब जाकर उनकी गाड़ी आगे बढ़ सकी।

बीकानेर-नागौर में ओले गिरे, 6 जिलों में बारिश

जयपुर।

राजस्थान के नागौर और बीकानेर में मंगलवार को बारिश के साथ ओले गिरे। सीकर, पाली, श्रीगंगानगर और डीडवाना-कुचामन में भी बरसात हुई। बीकानेर, जयपुर, अजमेर के साथ जोधपुर संभाग के जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार इस सिस्टम का सर्वाधिक असर 18 फरवरी को रहेगा। जयपुर सहित कई जिलों में मंगलवार सुबह से तेज हवा चली और बादल छाए थे।

दिन का तापमान 35 डिग्री के करीब

इससे पहले पिछले 24 घंटे में राज्य में सभी जगह आसमान साफ रहा। दिन में तेज धूप रही। सिरोही, हनुमानगढ़ और बारां को छोड़कर सोमवार को शेष सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

25 जिलों के लिए अलर्ट

मौसम विशेषज्ञों ने बताया- राज्य में आज से आया मौसम परिवर्तन का दौर 18 फरवरी को भी जारी रहेगा। बीकानेर, जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर और भरतपुर संभाग के कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। बादल छाने के साथ-साथ कहीं-कहीं तेज हवा चल सकती है और ओले भी गिर सकते हैं। बुधवार को 25 जिलों में बदले मौसम का असर दिखेगा।

तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बने

मंत्रिमंडल में 1 हिंदू-1 बौद्ध समेत 49 मंत्री; पीएम मोदी ने भारत आने का न्योता दिया

बढ़ता राजस्थान

ढाका। बांग्लादेश में बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं।

इससे पहले आज दोपहर में बीएनपी के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे।

रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री निताई रॉय चौधरी और एक बौद्ध मंत्री दिपेन देवान चकमा भी शामिल है। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं। सभी 24 राज्य मंत्री नए हैं।

उनके शपथ ग्रहण समारोह में भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद रहे। वहीं पीएम मोदी ने तारिक रहमान को भारत आने का न्योता दिया।

पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीत हासिल की।

ओम बिरला ने तारिक रहमान से मुलाकात की

भारत के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्होंने नई सरकार बनने पर भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं। यह मुलाकात ढाका में नई सरकार के शपथ लेने के तुरंत बाद हुई। बैठक के दौरान ओम बिरला ने तारिक रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया।

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने बताया कि दोनों नेताओं ने भरोसा जताया कि भारत और बांग्लादेश मिलकर आम लोगों के हित में काम करेंगे।

मुलाकात में दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को बढ़ाने की बात कही, जिससे दोनों देशों के लोगों को सीधा फायदा मिले और रिश्ते और मजबूत हों।

संविधान बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेज

इस बीच संविधान में बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेज हो गया है। दरअसल, 12 फरवरी को संसद चुनाव के साथ 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह भी हुआ था। इसमें 62% लोगों ने 'हां' में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नई संसद 180 दिनों के लिए संविधान सभा की तरह काम करेगी। इस अवधि के दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव किए जाते।

जुलाई चार्टर का मकसद देश में ताकत का एकाधिकार खत्म करना और संतुलन बनाना है। इससे प्रधानमंत्री की ताकत घट जाती और राष्ट्रपति को अधिकार दिए जाते। बीएनपी ने जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन उसके नेता कई प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। पार्टी का कहना है कि चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह नहीं ली गई थी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस रद्द...

कर्नाटक चुनाव में 40% कमीशन वाले विज्ञापन का मामला, हाईकोर्ट ने भाजपा नेता की याचिका खारिज की

बढ़ता राजस्थान

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को रद्द कर दिया। यह मामला 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले '40त्न कमीशन' वाले कांग्रेस के विज्ञापनों को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। करप्शन रेट कार्ड वाले इस विज्ञापन को राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद भाजपा नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापनों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं पर सरकारी ठेकों से 40त्न कमीशन लेने का झूठा आरोप लगाया।

मामले में कर्नाटक की अदालत ने जून 2023 में सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी को समन जारी किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1 जून 2024 को सिद्धारमैया, शिवकुमार को और 7 जून 2024 को राहुल को जमानत दे दी थी। हालांकि राहुल गांधी ने समन को हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट के जस्टिस सुनील दत्त यादव की सिंगल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि राहुल गांधी की याचिका मंजूर की जाती है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की कार्यवाही आगे बढ़ाना कानून की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा।

विधानसभा घेरने निकले कांग्रेस नेताओं पर बरसाई लाठियां

पुलिस ने पानी की बौछार की; अमीन पठान बोले- कार्यकर्ताओं को चोट आई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। विधानसभा घेराव करने निकले कांग्रेस नेताओं पर पुलिस ने पानी की बौछार की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। दरअसल, राजस्थान कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता 22 गोदाम स्थित सहकार भवन पर इकट्ठा हुए थे। यहां से रैली के रूप में निकले, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने कहा- प्रदर्शन में 12 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को चोट आई है। पुलिस ने आज बर्बरता पूर्वक हम पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर लाठियां बरसाई। हम डरने वाले नहीं हैं। पुलिस गोलियां चलाएगी तो भी हम युवाओं की आवाज को उठाते रहेंगे। इससे पहले 22 गोदाम पर सभा के दौरान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल रहे। मंच पर डोटासरा ने गमछा लहराकर डांस भी किया।

अमीन पठान बोले- सरकार को जवाब देना होगा

इस दौरान प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे और सरकार को जवाब देना होगा।

पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, वॉटर कैनन चलाई

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज दोपहर डेढ़ बजे जैसे ही विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर किया।

अमीन पठान बोले- बीजेपी सरकार के गठन के बाद खेल बजट में कमी

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने कहा- प्रदेश में बीजेपी सरकार के गठन के बाद खेल बजट में कमी, खिलाड़ियों को समय पर टीए-डीए, प्रोत्साहन राशि और छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। खेल मैदानों पर अतिक्रमण और स्टेडियम निर्माण कार्य ठप हो गए हैं, जिससे युवा नशे की ओर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अगर सरकार ने जल्द से जल्द हमारी वाजिब मांगों को पूरा नहीं किया तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने विधानसभा अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपकर भाजपा सरकार पर खेल विरोधी नीतियां को समाप्त कर खिलाड़ियों को सुविधाएं और नौकरी देने की मांग की है।

बीजेपी सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती

खेल प्रकोष्ठ के प्रदर्शन में गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई सीनियर कांग्रेसी नेता मौजूद रहे। मंच से पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गमछा लहराकर डांस भी किया। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधकर कहा- विधानसभा गोहत्या के मुद्दे के चलते स्थगित है। बीजेपी को गोमाता से कोई सरोकार नहीं है। उन्हें सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी है।

जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे विषय उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि अमीन पठान के नेतृत्व में यह विंग सभी प्रकोष्ठों में नंबर-वन पर काम कर रहा है।

चांदी 8 हजार गिरी, 2.33 लाख पर आई : सोना 2 हजार घटकर 1.51 लाख हुआ; 4 दिन में चांदी 33 हजार, सोना 6 हजार सस्ता

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी में 17 फरवरी को लगातार चौथे दिन गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 7,992 रुपए गिरकर 2.33 लाख पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,242 रुपए सस्ता होकर 1.51 लाख पर आ गया है।

चार दिन में सोना 6 हजार और चांदी 33 हजार सस्ती-पिछले 4 कारोबारी दिन में चांदी 33 हजार रुपए सस्ती हुई है। इसने 29 जनवरी को 3.86 लाख का हाई बनाया था। तब से अब तक चांदी 1.53

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खंडवा, निवाई, टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एनएच-12 बाईपास निवाई, टोंक (राजस्थान) से प्रकाशित, संपादक तनुजा पठान*। प्रधान संपादक राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888, जयपुरः फोन 0141-2796794, 95, टोंक कार्यालयः बाईपास, निवाई, टोंक (मो. 9414823448), अलवर कार्यालयः मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर (मो. 7877309346), कोटा कार्यालयः छावनी मेन रोड, कोटा (मो. 7023350734), ई-मेलः badhatarajasthan@yahoo.com; "पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार